सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 14 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

व्यापारियों से वसूली के मामले में बड़ी कार्रवाई, श्रम निरीक्षक निलंबित

रायपुर। व्यापारियों से पैसा वसूलने के मामले में त्वरित एवं बड़ी कार्रवाई करते हुए बलौदाबाजार श्रमायुक्त द्वारा भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कलेक्टर दीपक सोनी द्वारा गठित जांच समिति की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पाया गया कि श्रम पदाधिकारी बलौदाबाजार में पदस्थ श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक द्वारा कार्यक्षेत्र में भ्रमण के दौरान कथित रूप से अवैध वसूली और अनियमितताएं की गई हैं। श्रम आयुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा रिपोर्ट के आधार पर श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान कौशिक को जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी तथा निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय श्रमायुक्त कार्यालय, नवा रायपुर, अटल नगर निर्धारित किया गया है।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर, बिलासपुर-तिरुपति एक्सप्रेस 7 घंटे रीशेड्यूल

रायपुर। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने बिलासपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 17481 बिलासपुर-तिरुपति एक्सप्रेस को मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025 को रीशेड्यूल करने का निर्णय लिया है।

यह ट्रेन अपने निर्धारित समय दोपहर 3:35 बजे (15.35 बजे) के बजाय अब रात 10:35 बजे (22.35 बजे) बिलासपुर स्टेशन से रवाना होगी। रेलवे ने बताया कि यह परिवर्तन यात्रियों की सुरक्षा और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया गया है। बिलासपुर मंडल के अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ने सभी स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम किए हैं। स्टेशन पर सूचना प्रसारण और डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से समय परिवर्तन की जानकारी लगातार दी जा रही है।

राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सतर्कता जागरूकता की शपथ ली

रायपुर। राजभवन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर आज अधिकारियों-कर्मचारियों ने ईमानदारी और पारदर्शिता के प्रति शपथ ली। यह सप्ताह 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 तक मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को ''सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी'' के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर राजभवन की उप सचिव सुश्री निधि साहू सहित राजभवन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, निष्ठा और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था को बढ़ावा देना है।

चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों में फ्रीज की वोटर लिस्ट, आज से SIR 2.0 शुरू

9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावा आपत्ति, 7 फरवरी 2026 को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों में की वोटर लिस्ट को फ्रीज कर दिया है। देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा होते ही सोमवार आधी रात से इन सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की मतदाता सूचियां फ्रीज कर दी गईं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि राज्य सरकारों को भी प्रशासनिक फेरबदल के लिए चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होगी।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर से संबंधित अपने 9 सितंबर के आदेश के अनुसार, आधार को 12 दस्तावेजों की सूची में शामिल कर लिया है। आधार पर स्थिति स्पष्ट करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, जहां तक आधार कार्ड का संबंध है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आधार का उपयोग आधार अधिनियम के अनुसार किया जाना है। आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार निवास या नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार यह निर्णय दिया है कि आधार जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए, आधार प्राधिकरण ने अपनी अधिसूचना जारी की और आज भी, यदि आप नया आधार डाउनलोड करते हैं, तो कार्ड पर उल्लेख है कि यह न तो जन्मतिथि, न ही निवास या नागरिकता का प्रमाण है। आधार कार्ड पहचान का प्रमाण है और इसका उपयोग ई-हस्ताक्षर के लिए भी किया जा सकता है।

तीन बार घर आएंगे बीएलओ

चुनाव आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) फॉर्मों के मिलान और लिंकिंग के लिए अधिकतम तीन बार घरों का दौरा करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, यदि मतदाता उपलब्ध नहीं है या मिलान और लिंकिंग में देरी हो रही है, तो बीएलओ कुल तीन बार घरों का दौरा करेंगे। बीएलओ सिर्फ संबंधित राज्य ही नहीं बल्कि देश भर के मतदाता सूची की जांच कर यह देखेंगे के संबंधित व्यक्ति का नाम कहीं और तो नहीं है। यदि किसी अन्य सूची में नाम पाया गया तब भी उन्हें मतदाता माना जाएगा।

ऑनलाइन भर सकते हैं फॉर्म

मतदाता ऑनलाइन भी फॉर्म भर सकते हैं। यदि उनके नाम, या उनके पिता या माता के नाम, 2003 की सूची में नहीं थे तो ईआरओ 12 दस्तावेजों के आधार पर पात्रता निर्धारित करेगा। आयोग द्वारा तय 12 दस्तावेजों के अलावा यदि किसी के पास अतिरिक्त वैध दस्तावेज है तो आयोग उसे भी मान्य करेगा। ईआरओ के फैसले के बाद, यानी अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद भी किसी भी निर्वाचन क्षेत्र का कोई भी मतदाता या निवासी जिला मजिस्ट्रेट के पास अपील कर सकता है और 15 दिनों के भीतर राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के पास अपनी दूसरी अपील भी दायर कर सकता है।

जानिये कैसे होगी पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया

जिन राज्यों में एसआईआर प्रस्तावित है, सोमवार रात 12 बजे वहां मतदाता सूचियां फ्रीज हो गईं। उस सूची के सभी मतदाताओं को बीएलओ विशिष्ट गणना प्रपत्र देंगे। गणना प्रपत्रों में मौजूदा मतदाता सूची के सभी आवश्यक विवरण होंगे। बीएलओ प्रपत्र देने के बाद, जिन मतदाताओं के नाम उनमें हैं, यह मिलान करेंगे कि क्या उनका नाम 2003 की सूची में था। यदि हां, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं है। यदि उनके नाम नहीं हैं, बल्कि उनके माता-पिता के नाम सूची में थे, तो भी उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने की जरूरत नहीं है। 2002 से 2004 तक की एसआईआर मतदाता सूची http//voters.eci.gov.in पर उपलब्ध होगी। मतदाता खुद भी मिलान कर सकेंगे।

कौन दर्ज करवा सकता है नाम

चुनाव आयोग ने मतदाता के लिए जरूरी अर्हताएं भी बताईं। इसके अनुसार संविधान की धारा 326 के अनुसार जो भी भारतीय नागरिक है, उसे 18 साल की आयु का होना, संबंधित क्षेत्र का निवासी होना, कानून के तहत किसी तरह के मामलों में वांछित नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों को सूची में नाम शामिल कराने का अधिकार है। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी दलों के साथ बैठकें करेंगे और उन्हें एसआईआर के बारे में जानकारी देंगे।

यह है पूरा सआईआर का कार्यक्रम

प्रिंटिंग व प्रशिक्षण कार्य 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक होगा। 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक घर-घर मतदाता सत्यापन कार्य किया जाएगा। इसके बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची 9 दिसंबर 2025 को जारी की जाएगी। 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावा आपत्ति ली जाएगी। 9 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक सुनवाई व सत्यापन किया जाएगा। 7 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

आंध्र के तट से आज देर शाम टकराएगा चक्रवाती तूफान मोंथा

■ आंध्र, ओडिशा व तमिलनाडू में रेड अलर्ट जारी, स्कूलों की छुट्टी

विशाखापट्नम ए.। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवात मोन्था मंगलवार सुबह तूफान में बदल गया है। फिलहाल यह आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। इसका असर आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल और ओडिशा के जिलों में देखा जा रहा है। इन राज्यों में 90 से 110 kmph की रफ्तार से हवा चल रही है। चारों राज्यों के तटीय इलाकों से 50 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। 55 से ज्यादा ट्रेनें कैंसिल कर दी गई हैं। मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार शाम को तूफान मोन्था मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाड़ा तट से टकराएगा। लैंडफॉल के दौरान समुद्र में 5 मीटर (16 फीट) तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'मोंथा' पिछले छह घंटों में 15 kmph की स्पीड से उत्तर से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और मंगलवार सुबह 5.30 बजे तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवाती तूफान मोंथा के उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और मंगलवार शाम और रात के दौरान काकीनाडा के पास मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश तट को पार करने की संभावना है। इस दौरान इसकी अधिकतम हवा की स्पीड 90-100 kmph होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान का असर केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और झारखंड में अगले 3 दिन तक बारिश हो सकती है।

तमिलनाडु और ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुवल्लूर, रानीपेट और कांचीपुरम में सोमवार को भारी बारिश हुई। चेन्नई और तिरुवल्लूर में तो स्कूलों की छुट्टियां कर दी गई हैं। इन स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं ओडिशा में भी हाई अलर्ट लागू है। ओडिशा के मलकागिरी, रायगढ़ा, कोरापुट, नबरंगपुर, गजपति, गंजम, कालाहांडी, कंधमाल जैसे जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। प्रभावित जिलों से हजारों लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर स्थानांतरित किया गया है। स्कूलों और आंगनबाड़ी में 30 अक्टूबर तक छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं।

एनडीआरएफ की टीमें प्रभावित इलाकों में तैनात

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में चक्रवाती तूफान की आहट के प्रभाव से भारी बारिश और तूफान की हालत है। एनडीआरएफ टीम प्रभावित इलाकों का दौरा कर रही है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। तूफान मोन्था के कारण NDRF की टीमें कोठापट्टनम गांव में घोषणाएं कर रही हैं, और लोगों से सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। उप्पाडा की 25 बस्तियों में एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। जिन इलाकों को खाली कराने और लोगों को अस्थायी शिविरों तक पहुंचाने की जरूरत है, वहां अभियान चला रहे हैं।

जयपुर में हाईटेंशन लाइन से टकराकर जल उठी बस, तीन की मौत, 12 से ज्यादा लोग झुलसे

जयपुर ए.। जयपुर ग्रामीण जिले के शाहपुरा उपखण्ड के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। टोडी गांव स्थित एक ईंट भट्टे पर जा रही मजदूरों से भरी बस 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। पल भर में बस में तेज करंट दौड़ गया और स्पार्क होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते बस में सवार मजदूर करंट और आग की चपेट में आ गए। हादसे में मौके पर ही तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। लगभग 12 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। जान गंवाने वाले तीन लोगों में दो पिता और पुत्री बताए जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही मनोहरपुर थाना पुलिस और प्रशासनिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तुरंत शाहपुरा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के

बाद गंभीर रूप से घायल पांच मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर किया है। दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बस में लगी आग पर नियंत्रण पाया।

पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। वहीं घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में हाईटेंशन लाइन के अत्यधिक नजदीक से बस के गुजरने को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है।

चिट्टे के लिए महिला पहलवान ने बेच दिया बच्चा

श्रीकंचनपथ

उड़ता पंजाब अभी भी उड़ रहा है। यहां की एक महिला पहलवान ने अपने 5 महीने का बेटा पौने दो लाख रुपए में बेच दिया। वह चिट्टे का नशा करती थी। नशे के लिए पैसों की तंगी हुई तो उसने अपना बेटा बेच दिया। इन पैसों से कुछ घरेलू जरूरत का सामान खरीदा और बाकी चिट्टे में उड़ा दिये। जब पैसे खत्म हो गए तो नशा फट गया। इसके बाद बेटे की याद आई। अब वे बेटा वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बच्चा बेचने वाले और बच्चा खरीदने वाले दोनों पक्षों के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। चिट्टा एक परिष्कृत नशा है जिसका उपयोग पंजाब, हरियाणा और हिमाचल के युवा ज्यादा करते हैं। इसकी लत बहुत जल्द लग जाती है। चिट्टे से इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन होती है, तथा हड्डियाँ गलने लगती हैं। साँस धीमी हो जाती है। शरीर का तापमान भी गिर सकता है। सोचने-समझने की क्षमता कम हो जाती है। यह अवसाद, चिंता और अन्य मानसिक विकारों का कारण बन सकता है। महिला पहलवान को इंस्टाग्राम पर जब इश्क हुआ तब वह दसवीं की छात्रा थी। उसने कुश्ती में कई राज्य स्तरीय पदक जीते थे। उसने घर से भागकर शादी कर ली। परीक्षा भी नहीं दिला पाई। इस बीच पहलवान और उसके पति को चिट्टे की लत लग गई। विवाह के कुछ महीने बाद वह गर्भवती हो गई। डाक्टर ने नशा नहीं छोड़ने पर बच्चे के विकलांग होने की चेतावनी दी। वह मायके आ गई और प्रसव तक नशे से दूर भी रही। समय पर उसने एक बेटे को जन्म दिया। इसके बाद हालात फिर से बदल गए। पति के बहकावे में आकर उसने फिर से नशा करना शुरू कर दिया। पैसों की दिक्कत आई तो ससुराल वालों ने बच्चा बेच देने की सलाह दी। उन्होंने समझाया कि नशेड़ी मां-बाप बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएंगे। पहले हरियाणा के सिरसा में ही बच्चे का सौदा किया पर अंतिम समय पर मुकर गए। पर जब पैसों की दिक्कत बहुत ज्यादा हो गई तो उन्होंने अपना बच्चा उसी को बेच दिया जिससे चिट्टा खरीदते थे। अब महिला का कहना है कि उसने नशे की हालत में गोदनामा के दस्तावेजों पर उसके हस्ताक्षर लिये गये। उसे अपना बच्चा चाहिए। उधर बच्चा खरीदने वालों का कहना है कि उन्होंने बच्चा खरीदा नहीं बल्कि गोद लिया है। उनके परिवार में सिर्फबेटियां हैं। इसलिए एक बेटा वो गोद लेना चाहते थे। दरअसल, नशा जो करवाए सो कम है। छह साल पहले एनसीआरबी ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। हरियाणा ड्रग्स के मामले में पंजाब से आगे निकल गया था। इन दोनों राज्यों के लिए उनकी खुशहाली और संपन्नता ही काल बन गई थी। अब तो देश का प्रत्येक बड़ा शहर ड्रग तस्करों के निशाने पर है। क्या इससे निपटना देश की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए?

संपादकीय

संयम आधारित हो नये दौर की शासन कला

वर्साय से लेकर गाजा तक, बगदाद से कीव तक, हर अधूरा युद्ध वही सबक दोहराता है: बिना संयम की जीत अपने ही विनाश के बीज बोती है। जब जीत अपमान में बदल जाए, तब शांति भरभरा कर गिर जाती है। भारत लंबे समय से इस सच्चाई को जानता है। ढाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर तक, भारतीय गणतंत्र की जीत सभ्यतागत रही है, युद्धविराम थकान से नहीं अपितु दूरदर्शिता से रोक लेने की क्षमता। संयम का अर्थ पीछे हटना नहीं ; यह एक फैसला होता है, विवेक के साथ साहस का, अनुपात संग शक्ति का। अंत भला हो, यह कमान का सबसे मुश्किल काम है।

> भारत की रणनीतिक स्वायत्तता विभाजित दुनिया का आधार बिंदु है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों की आग में झुलस रही है, हमारे गणतंत्र ने सिद्धांतों पर युद्ध खत्म करने का अनुशासन दर्शाया है। ढाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर तक, भारतीय गणतंत्र की जीत सभ्यतागत रही है। युद्ध कभी-कभार ही वहां खत्म होते हैं जहां वे थमते हैं; जहां वे विराम लेते हैं वहां से अनुपात का आगाज़ होता है।

अपरिमेय जीत का जाल : जैसे कि दुनिया के महाद्वीपों और समुदायों में खून बह रहा है, संयम की बात कहीं नहीं हो रही। युद्ध बेवजह जारी रहते हैं, और शांति का कोई नामलेवा नहीं। इस नैतिक शून्य में, भारत की आनुपातिक संतुलन की विरासत एक गुण से कहीं ज़्यादा है, यह अतिरेक के युग के लिए प्रति-आख्यान बन जाती है। अपरिमेय जीत सत्ता का सबसे पुराना जाल है। वर्साय ने हिटलर को जन्म दिया; इराक के जातीय बंटवारे ने आईएसआईएस पैदा की। बिना सोचे-समझे बदला लेने की प्रवृत्ति सिर्फ वर्दी बदलती है, दुश्मनी नहीं। पूर्ण विजय की तलाश अक्सर अगली पीढ़ी की पूर्ण हार तय करती है। भारत का अनुशासन सिद्धांतों पर युद्ध खत्म करने में है, न कि तालियों की खातिर।

विघटन पैदा करने वालों को चुनौती : वर्तमान विश्व व्यवस्था के रचनाकार, जो गठबंधन को आज्ञाकारिता के बराबर मानते हैं, जिस विघटन को वे अब कोस रहे हैं वह खुद उन्होंने पैदा किया। जो लोग स्वायत्तता की आलोचना अलग-थलग पड़ जाने या तटस्थता रखने के रूप में करते हैं, उनके लिए जवाब सरल है: गुटों की वफ़ादारी विफल रही। भारत का अनुशासन महज घरेलू गुण नहीं; यह शक्ति के विफल मॉडल को चुनौती देता है, एक दबाव रहित आमूल-चूल बदलाव पेश करता है, जिसमें स्वायत्तता व संयम रणनीतिक पसंद के उच्चतम रूप बन जाते हैं।

आधुनिक शक्ति का व्याकरण : संयम सिर्फ विरासत बनकर नहीं रह सकता। आज शक्ति प्रयोग न केवल हथियारों से बल्कि एल्गोरिदम, वित्त और इन्फ्लुएंस के जरिये किया जाता है। राज्य-व्यवस्था का व्याकरण बदल गया है। सप्लाई चेन घेराबंदी की रस्सियां हैं, डेटा नया रणक्षेत्र है, और सबसे आगे है कहानी गढ़कर फैलाने की होड़। आगामी युद्ध घोषित रूप में न होकर सहेज कर पाली खुन्नस है, जो धारणा, सटीकता और धैर्य के जरिये लड़े जाएंगे। जो देश अंत बढ़िया कर सकेगा वही लंबा टिक पाएगा। भारत के लिए चुनौती दोहरी है: सदी की रफ़्तार से कदम मिलाकर अपना सभ्यतागत स्वभाव कायम रखना। सिद्धांत को तैयारी संग, नैतिकता को फुर्ती के साथ, और धैर्य को सटीकता से जोड़ना होगा। संयम की कला तकनीक, कूटनीति और संचार के साथ पिरोनी होगी। रणनीतिक स्वायत्तता का मरहम ङ्क जब पी-5 वीटो से पंगु हो जाता है, संयुक्त राष्ट्र निष्प्रभावी हो जाता है और लहु-लुहान दुनिया में खून बहना जारी रहता है। व्यापार एक हथियार बन गया और शांति पुरस्कार की चाहत रखने से पहले काबिलियत का ढिंढोरा पीटने वाले प्रायोजक ढूंढ़े जा रहे हैं; तब फिर किससे उम्मीद की जाये? कोई नहीं। ऐसे ही हालात में भारत की सभ्यतागत नैतिकता की जरूरत है, हुक्म चलाने के लिए नहीं, बल्कि मिसाल पेश करने को। यह दिखाने के लिए कि ताकत को परिभाषित करने के लिए दूसरे पर हावी होने की ज़रूरत नहीं; वह संयमित राष्ट्र जो सीना तान चले, अभी भी तूफान को थाम सकता है। विभाजित दुनिया में यह रणनीतिक स्वायत्तता है, सिद्धांत परक तीसरी राह, जो गुटीय राजनीति से दूर रहे, ऐसा मरहम जो तारीफ चाहे बिना घाव भर दे।

संयम की पुनर्कल्पना : नतीजों पर महारत पाने के बाद संयम को अब संदर्भ में सिद्धहस्तता हासिल करनी होगी। यह वहां से शुरू होता है जहां शक्ति प्रयोग खत्म होता है और ज़िम्मेदारी शुरू होती है। यह दूरदर्शिता के जरिए व्यक्त अनुपात और दृढ़ विश्वास से दर्शाया आत्मसंयम है। शासन उद्वेग, शक्ति और प्रयोजनवश झूठ से परे होता है।

भारत के विदेश नीति की नींव मजबूत

स्वतंत्र भारत के विदेश नीति के जनक पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने गुटनिरपेक्षता को भारतीय विदेश नीति के एक मजबूत स्तम्भ के रूप में स्थापित किया। तत्कालीन गुटनिरपेक्षता को दोनो ध्रुवों से समान दूरी के रूप में व्याख्यायित किया गया जबकि कालांतर में गुटनिरपेक्षता से तात्पर्य भारतीय हितों की रक्षा के लिए दोनो ध्रुवों से समान नजदीकी में हैं। तत्कालीन नव स्वतंत्र भारत के पास दोनो ध्रुवों में बटे विश्व में तीसरे विश्व के नेता के रूप में स्थापित होने का सुनहरा अवसर था और इस अवसर में भारत को स्थापित करने में गुटनिरपेक्षताश् ने मजबूत स्तंम्भ का कार्य किया। गुटनिरपेक्षता की इस नीति के प्रारंभिक दिनों में ही भारत के विदेश नीति की नींव को मजबूत करने में रूस (तत्कालीन सोवियत रूस) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमित सोमवंशी

भारत-रूस (तत्कालीन सोवियत रूस) संबंधों की शुरूआत स्वतंत्रता के तुरंत बाद पण्डित विजय लक्ष्मी को प्रथम भारतीय राजदूत बनाकर रूस भेजने से किया गया। पण्डित विजय लक्ष्मी को नियुक्ति ही रूस के साथ संबंधों की महत्व को बयान करने के लिए काफी है। हालांकि स्टालिन के प्रारंभिक तल्खी के पश्चात डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के राजदूत नियुक्त होने पर 1949 में सोवियत संघ से औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित हुआ। सोवियत संघ ने गुटनिरपेक्ष नीति को समर्थन दिया और भारत की स्वयत्त विदेश नीति की सराहना की।

1950 के दशक में भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था में सोवियत संघ की प्रेरणा व सहयोग से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रावधान किया गया। सोवियत संघ ने भारी उद्योग, विज्ञान, उर्जा तकनीकी क्षेत्रों में सहायता प्रदान की। 1955 में स्थापित भिलाई इस्पात संयंत्र इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। सोवियत संघ ने रक्षा सहयोग, तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की मदद की।

1955 में सोवियत नेता निकिता और बुल्गानिक ने भारत का दौरा किया तथा इसी वर्ष नेहरू ने भी सोवियत संघ की यात्रा की। यह दोनो देशों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को मजबूत किया। बौंकि मंचो पर कश्मीर मुद्दे को लेकर कई बार सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का समर्थन किया जबकि भारत ने भी कई मौको पर पश्चिमी दबाव के बावजूद सोवियत संघ की नीतियों के विरोध में मतदान नहीं किया, इस प्रकार गुटनिरपेक्ष होते हुए भी दोनो देशों के बीच सामंजस्य बना रहा।

सोवियत संघ संकट के दौर में भारत के साथ समर्पण भाव में खड़ा रहा। 1962 के भारत-चीन यूद्ध के दौरान भारत को कुटनीतिक समर्थन किया तथा हथियारों की आपूर्ति की। सोवियत संघ ने 21 जैसा लड़ाई विमान दिया तथा भारत के सैन्य अधिकारीयों को प्रशिक्षित किया। ऐसे ही 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद सोवियत संघ ने ताशकंद समझौते में (1966) में मध्यस्थ की भूमिका निभाई। 1971 में भारत और सोवियत संघ के बीच श्भारत-सोवियत मैत्री संधि पर हस्ताक्षर हुए। यह संधि 20 वर्षो के लिए थी और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारी उद्योग, इस्पात संयंत्र, बिजली परियोजनाएं, तेल रिफाइनरी और मशीन निर्माण जैसे क्षेत्रों में सोवियत तकनीक और सहायता से भारत ने कई कारखानों की स्थापना की, भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला और बोकारो स्टील प्लांट जैसे प्रतिष्ठान सोवियत सहायता से स्थपित किए गए। सोवियत संघ ने भारत को मिग-21 लड़ाकू विमान तकनीक ट्रांसफर के साथ दी, जो भारत में एचएएल द्वारा बनाए गए। भारत को टी-55 और टी-72 टैंक, सुखोई विमान, सतह आईएनएस विराट जैसे एयरक्राफ्ट कैरियरों के संचालन के लिए तकनीकी मदद दी गई। भारत ने सोवियत संघ से मिग-23, मिग-27 और मिग-29 जैसे उन्नत लड़ाकू विमान प्राप्त किए। पनडृब्बी संचालन और नौसेना क्षमताओं में सोवियत तकनीक और प्रशिक्षण का बड़ा यागदान रहा।

आर्थिक, सामरिक व व्यापारिक सहयोग का यह मजबूत रिश्ता सांस्कृतिक सहयोग में भी नए आयाम तक पहुचा। भारतीय फिल्में भी सोवियत संघ में काफी लोकप्रिय हुई- जैसे आवारा और श्री 420। साहित्य, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में भी सहयोग हुआ- कई विविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाने लगी और रूसी भाषा भारत में लोकप्रिय हुई। शीतयोद्धत्तर विश्व में सोवियत संघ विघटन (1991) के बाद भारत को अपने पुराने रणनीतिक साझेदार की जगह नए रूस के साथ संबंधों की फिर से परिभाषित करना पड़ा। 1991 में दोस्ताना संबंधों और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर हुए। यह संधि द्विपक्षीय सहयोग का नया आधार बनी।

भारत ने रूस को सबसे पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा दिया। 2000 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान श्रणनीतिक साझेदारी की घोषणा हुई। भारत ने रूस से सुखोई-30, मिग-29, टी-90 टैंक और ब्रह्मोस मिसाईल प्रणाली प्राप्त की। रूस ने भारत में कई रिएक्टर बनाने में मदद की, कुडनकुलम परमाणु संयंत्र रूस की मदद से बना। भारत ने रूस में तेल और गैस परियोजनाओं में निवेश किया (जैसे कि सखालिन-1 प्रोजेक्ट)। 2010 में द्विपक्षीय संबंधों को विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया।

वर्ष 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच व्यक्तिगत मित्रवत संबंधों ने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत किया है। दोनों नेता नियमित रूप से द्विपक्षीय वार्ताएं, शिखर सम्मेलन और ब्रिक्स, एससीओ जैसे मंचों पर मिलते रहे है। रूस ने भारत को एस-400 मिसाईल रक्षा प्रणाली देने का समझौता किया, जिससे पश्चिमी देशों विशेषकर अमेरिका की नाराजगी भी हुई। एस-400 मिसाईल रक्षा प्रणाली की डील 2018 में की गई थी, जिसकी डिलीवरी 2021 में शुरू हुई।

यह डील भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत भी है, क्योंकि अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद यह समझौता हुआ। भारत ने मेक इन इंडिया के तहत रूस के साथ संयुक्त रूप से हथियारों को निर्माण पर बल दिया है- जैसे कि एके-203 राइफल। ब्रह्मस मिसाईल, सुखोई-30 एमकेआई और टी-90 टैंकों जैसे संयुक्त रक्षा कार्यक्रम पहले से चलते आ रहे हैं, और इन्हें और बढ़ाया गया है। संयुक्त सैन्य अभ्यास (जैसे इंद्र अभ्यास) नियमित रूप से होते रहे। दोनो देशों ने 2025 तक 30 बिलियन डॉलर द्विपक्षीय व्यपार और 50 बिलियन डॉलर निवेश का लक्ष्य रखा है।

रूपया-रूबल व्यपार (डॉलर के बिना व्यपार) को लेकर बात-चीत हो रही है, खासकर यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण। भारत और रूस ने ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भी भागीदारी की और भारत ने रूस के सुदूर पूर्व में निवेश की प्रतिबद्धता जताई, एक लाईन ऑफ क्रेडिट (1 बिलियन डॉलर) देने की घोषणा की थी। भारत और रूस ब्रिक्स, एससीओ और जी20 जैसे मंचों पर सहयोग करते रहे है। रूस ने भारत के यूएनएस का स्थायी सदस्य बनने के प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि भारत-रूस के संबधों में कुछ बहुत प्रभावशाली चुनौतियाँ भी है जो कि समय समय पर समस्याए उत्पन्न करती है। भविष्य में भी यह साझेदारी आपसी हितों, विश्वास और सहयोग पर आाधारित रहकर और आर्थिक सम्पन्ता की ओर अनबरत रूप से बढ़ते रहने की संभावना रखती है।

किस करवट बैठेगा प्रवासी मतदाताओं का ऊंट

उमेश चतुर्वेदी

बिहार चुनाव में प्रवासी मतदाताओं का असर महत्वपूर्ण हो सकता है। उनकी सोच पारंपरिक समाज से भिन्न है, जिससे इस बार चुनाव परिणाम पर उनका प्रभाव निर्णायक साबित हो सकता है। सूर्य पूजा के लोक पर्व छठ के दौरान, जब बिहार के प्रवासी अपने घर लौट रहे हैं, तब राज्य की धरती इन दिनों गुंजायमान है। चुनावी माहौल में प्रवासियों के लौटने से राजनीतिक दलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। जाति और धर्म के खांचों में बंटे बिहारी समाज में अब एक नया खांचा उभरकर सामने आ रहा है— वह खांचा है प्रवासियों का।

प्रवासी की अपनी जाति, धर्म और सामाजिक पहचान होती है, लेकिन बाहरी दुनिया में रहने वाले इन लोगों की सोच और दृष्टिकोण उनके घर-परिवार और पारंपरिक समाज से कुछ अलग हो सकती है। इसी कारण माना जा रहा है कि इस बार प्रवासियों का वोटिंग पैटर्न पारंपरिक सामाजिक और पारिवारिक सोच से इतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो इस बार बिहार की नई सरकार की किस्मत में प्रवासी वोटरों की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक होगी। पिछले साल रेलवे के अनुसार, छठ पर्व के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से 6.5 करोड़ लोग रेल यात्रा पर थे, जिनमें अधिकांश बिहार के लोग थे। अब बिहार जाने के लिए रेल ही नहीं, सड़क, बस और निजी वाहनों से यात्रा करने वालों की भी अच्छी-खासी संख्या है। इस साल बारह हजार विशेष रेल गाड़ियां चलाई गई हैं। निष्कर्ष है कि इस बार छठ पर्व के दौरान रेल यात्रा करने वालों की संख्या पिछले साल से पौने दो गुना अधिक हो सकती है।

सवाल यह है कि क्या ये लोग केवल पर्व मनाने ही घर लौट रहे हैं, या उनका उद्देश्य बिहार विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना भी है? जबकि छठ पर्व के तुरंत बाद केवल वे प्रवासी काम पर लौटते हैं, जिनका रोजगार संगठित क्षेत्र में होता है, अधिकांश लोग असंगठित क्षेत्र से हैं और वे परिवार के खेतों में मदद के लिए रुक जाते हैं। ये लोग धान की कटाई और रबी की बुवाई के बाद ही काम पर लौटते हैं। इनमें से अधिकांश वोटर भी हैं, यानी इस बार ये प्रवासी मतदाता बिहार विधानसभा चुनाव में भी अपनी भूमिका निभाएंगे।

बिहार के प्रवासी मतदाताओं की इस ताकत को सभी राजनीतिक दल जानते हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाजपा की चुनावी मशीनरी हर चुनाव को रण की तरह लेती है। दिल्ली, मुंबई, सूरत, लुधियाना जैसे शहरों में बिहार चुनाव को देखते हुए प्रवासियों के साथ अरसे से संवाद कर रही है। बीजेपी शासित राज्यों में छठ घाटों के निर्माण, छठ पर्व में सरकारी भागीदारी और सहयोग भी इसी रणनीति का एक हिस्सा है।

सत्ता का दावेदार माना जा रहा राष्ट्रीय जनता दल भी सक्रिय रहा है। हालांकि उसकी कोशिशें बीजेपी जितनी नहीं रही हैं। हाल के दिनों में उसने भी विशेषकर पिछड़े वर्ग के पढ़े-लिखे कुछ युवाओं को जोड़कर उनके जरिए प्रवासियों को साधने की कोशिश की है। प्रवासियों को सत्ताधारी जनता दल यू भी साधने की कोशिश करता रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के कुछ नेताओं ने ऐसे प्रयास जरूर किए हैं।

बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर भी सक्रिय हैं। उनकी ओर से सीधा और प्रत्यक्ष संवाद कम, लेकिन सोशल मीडिया और मीडिया पर उनकी लगातार उपस्थिति ने प्रवासियों को प्रभावित जरूर किया है। विशेषकर पढ़े-लिखे प्रवासियों और बाहर निकले बिहारी छात्रों में उनकी अपील ज्यादा है। इस लिहाज से देखें तो प्रवासी बिहारी मतदाताओं को लेकर सबसे ज्यादा जंग बीजेपी और प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी में ही होने की संभावना है। प्रवासी वोटरों का बड़ा हिस्सा प्रशांत किशोर को राजनीतिक रूप से खड़ा करने में मददगार हो सकता है।

ध्यान देने की बात यह है कि साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इन आंकड़ों के संदर्भ में प्रवासियों के मत को देखा-परखा जाना चाहिए। इसके साथ ही गांव, मोहल्ले और कस्बे के प्रवासियों में एक बात रेखांकित की जा सकती है। बाहर रहने, वहां के समाज को देखने और पढ़ाई-लिखाई के चलते वे कई मुद्दों पर अपने घर, परिवार, मोहल्ले और जातीय समुदाय से अलग ढंग की सोच रखते हैं। कई बार एक इलाके के प्रवासी अपनी सामाजिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद अन्य प्रवासियों जैसा विचार रखते हैं। इस लिहाज से अपने ही गांव-समाज में अलग तरह के दबाव समूह के रूप में भी काम कर रहे होते हैं। बिहार के मौजूदा चुनाव अभियान में इस सोच का भी असर पड़ना तय है।

शायद यही वजह है कि छठ घाटों पर राजनीतिक दलों, उनके कार्यकर्ताओं और उनके स्थानीय पदाधिकारियों का जमावड़ा है। छठ के बहाने वे प्रवासियों के साथ ही स्थानीय मतदाताओं से भी संपर्क साधेंगे और उनके जरिए अपने दल और नेता को समर्थन दिलाने की कोशिश करेंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म

नवेद शिकोह

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकुमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है,सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट हैं और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो।

तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं की। जन-विरोधी है सरकार। हुकुमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी ख़ूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया । सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई।

भाजपा के सहयोग से बसों का इंतेजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है ? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं।

बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी ग़लत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया।

भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गईं हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचपन सीटें भी ले आईं और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

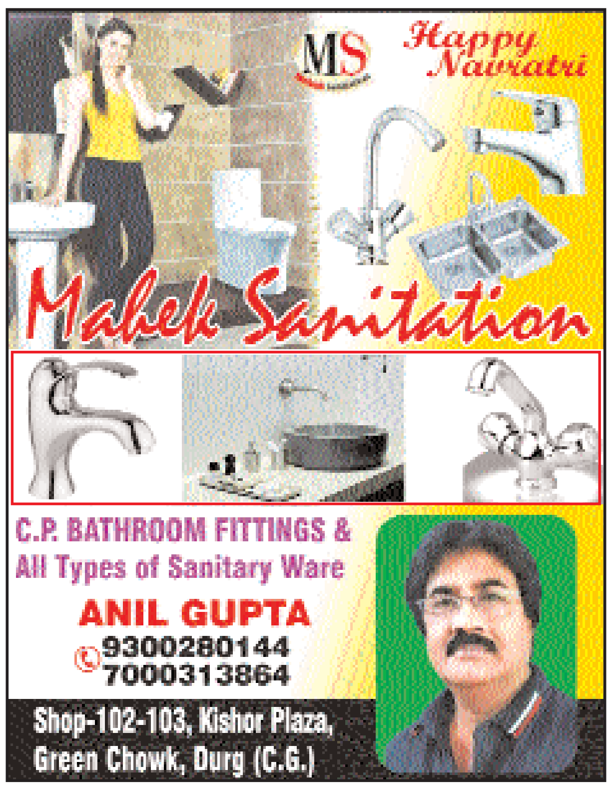

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी में फायर सेफ्टी क्वेस्ट 4 को, 3 तक पंजीयन

भिलाई। बीएसपी के अग्निशमन विभाग द्वारा 4 नवंबर को दोपहर 2 बजे से मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में फायर सेफ्टी क्वेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, खतरों एवं सुरक्षा उपायों की समझ विकसित करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और उपयुक्त प्रतिक्रिया देने की क्षमता को सुदृढ़ करना है। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में बीएसपी के सभी गैर-कार्यपालक कर्मचारी (अग्निशमन सेवा एवं सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग को छोड़कर) भाग ले सकते हैं। नियमावली एवं पंजीकरण फॉर्म बीएसपी के होम पेज पर उपलब्ध हैं। अंतिम तिथि 3 नवंबर है।

खमरिया में झुलसे छात्र का भी इलाज कराएंगे रिकेश

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने दुर्ग के अभिषेक यादव के बाद जुनवानी खमरिया के हेमचंद्र के उपचार की भी पूरी जिम्मेदारी ली है। विधायक रिकेश से झुलसे बालक के पिता चरणदास ने फोन पर बात कर मदद की गुहार लगाई। सेन ने तत्काल पहल कर हेमचंद्र को सेक्टर-9 हास्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाकर चिकित्सकों से फोन पर चर्चा भी की। विधायक सेन ने चरणदास को आश्वस्त किया कि हेमचंद्र जल्दी ठीक होगा और कुशल रूप से घर लौटेगा। हेमचंद्र के उपचार का पूरा खर्च विधायक स्वयं वहन करेंगे। हेमचंद्र के पिता चरणदास महार और मां रागिनी सब्जी विक्रेता हैं और इसी आमदनी से परिवार का पालन पोषण होता है। गोवर्धन पूजा के दिन पटाखे जलाते समय हेमचंद्र का चेहरा बुरी तरह झुलस गया। उसे सेक्टर 9 बर्न यूनिट में एडमिट किया गया है।

बास्केटबॉल - साउथ ईस्ट रेल्वे बना चैम्पियन

भिलाई। स्व. राजेश पटेल और अनीता पटेल की स्मृति में हुई द्वितीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल स्पर्धा पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने कब्जा किया। फाइनल मैच में झारखंड की टीम को 71-56 अंकों से पराजित किया। स्पर्धा में 13 टीमें शामिल हुई थी। उनके बीच लीग पद्धति पर मैच खेले गए। विजेता और उपविजेता टीम को सांसद विजय बघेल के हाथों पुरस्कृत किया गया। बास्केटबॉल एसोसिएशन के जॉइंट प्रेसिडेंट धीरज गोयल ने बताया कि स्पर्धा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ी मिथुन को बेस्ट शूटर का और बेस्ट फॉरवर्ड प्लेयर का अवार्ड झारखंड के खिलाड़ी प्रभास को दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष बास्केटबॉल एसोसिएशन राजीव जैन, जॉइंट सेक्रेटरी छत्तीसगढ़ बास्केटबॉल एसोसिएशन धीरज गोयल एवं कोच रोहित पटेल ने सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया। विजेता टीम को ट्राफी एवं नगद पुरस्कार दिए गए। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान वाले सभी टीमों को नकद पुरस्कार व ट्रॉफी दी गई।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ सम्पन्न

शहर के छठ तालाबों में उमड़ पड़े श्रद्धालु, व्यवस्था में लगी पुलिस, विभिन्न संस्थाओं ने की निःशुल्क जलपान की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। ट्विन सिटी में लोक आस्था के महापर्व छठ की धूम रही। तीसरे और अंतिम दिन आज सुबह छठ व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मईया का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उपस्थित जनों को ठेकुआ, अंकुरित चना और फलों का प्रसाद दिया। लोगों को आंचल फैलाए प्रसाद मांगते हुए देखा गया। यही इस व्रत की रीत है जिसमें प्रसाद मांगा जाता है।

शनिवार को नहाय खाय के साथ शुरू हुए महापर्व के दूसरे दिन सोमवार की शाम व्रतियों ने अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया। आज उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। तड़के तीन बजे से ही छठ घाटों पर लोगों का आगमन शुरू हो गया। छठ घाटों पर मेले जैसा माहौल रहा। पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था के बीच छठ पर्व मनाया गया।

उत्तर प्रदेश व बिहार का प्रमुख पर्व भिलाई दुर्ग में भी उतनी ही आस्था के साथ मनाया जाता है जितना की यूपी व बिहार में। मंगलवार की सुबह छठ घाट की ओर जाते समय आतिशबाजी भी होती रही और ढोल ताशे भी बजते रहे। छठी मैय्या के गीतों ने आस्था में और भी ज्यादा रंग भर दिया।

होई न नारियल-कैरवा घोउदवा नदिया किनार, सुनिहा अरज छठी मईया, बढ़े कुल परिवार, लोक गीतों के साथ अस्त होते सूर्य देव को अर्घ्य देने इकट्ठे हुए लोग घाटों पर पूजा के समय पारंपरिक गीतों को गाते रहे। जिन व्रतियों के घरों में कोई शादी या संतान होने की खुशी या कोई अन्य शुभ कार्य हुआ है, उनके घरों में रात को महिलाओं द्वारा गन्ने का मंडप सजाकर पंचदीप जलाकर कोसी भरी गई। छठ गीत गाकर रात जागरण भी किया गया।

छठ के लिए तालबों पर की आकर्षक सजावट

छठ पर्व के लिए ट्विनसिटी के प्रमुख तालाबों में आकर्षक सजावट की गई। बैकुंठधाम सूर्यकुंड, भेलवा तालाब नेहरू नगर, शीतला तालाब सुपेला, रामनगर केंप-1, हिन्द नगर रिसाली, मरोदा शीतला तालाब, घासीदास नगर तालाब, सूर्य कुंड तालाब हाउसिंग बोर्ड, दर्री तालाब कुरूद, आमदी नगर हुडको, सेक्टर-2, सेक्टर-07, खुर्सीपार, छावनी, बापू नगर, लक्ष्मण नगर, शीतला तालाब कैंप-2और दुर्ग में दीपक नगर तालाब, शक्तिनगर, ठगडा बांध, शिवनाथ नदी तट, कातुलबोर्ड तालाब आदि को दुल्हन की तरह सजाया गया था।

सेक्टर-7 में उमड़े श्रद्धालु

वैसे तो छठ पूजा पर भिलाई दुर्ग के सभी तालाबों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस दौरान सेक्टर-7 शिवधाम की भव्यता देखते ही बन रही थी।

स्थानीय पार्षद व एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू के प्रयासों से यहां शिवधाम का निर्माण हुआ। शिवधाम के घाट की सुंदरता तो देखते ही बनती है। सोमवार की शाम व मंगलवार की सुबह छठ पूजा के लिए शिवधाम में हजारों श्रद्धालु पहुंचे। सोमवार शाम को डूबते सूर्य व मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा संपन्न की। इस दौरान स्थानीय पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने भी परिवार के साथ छठी मैय्या की पूजा की।

पूर्व विस अध्यक्ष पाण्डेय भी पहुंचे घाट

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय आज सेक्टर-2 स्थित छठ तालाब पहुंचे, जहां उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने छठ मइया से भिलाईवासियों सहित समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और सामाजिक सौहार्द की कामना की। पूजन के पश्चात श्री पाण्डेय ने श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट कर उनका हालचाल जाना और छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व भारतीय संस्कृति का एक अनुपम उदाहरण है, जिसमें सूर्य देव की उपासना के माध्यम से प्रकृति, ऊर्जा और जीवन के प्रति आभार प्रकट किया जाता है।

उन्होंने कहा कि छठ एकमात्र ऐसा पर्व है, जिसमें हम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देते हैं । यह परंपरा हमें सिखाती है कि हर अंत एक नई शुरुआत का संकेत है। यह पर्व आस्था, अनुशासन और आत्मशुद्धि का प्रतीक है, जो हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और नई उम्मीदों का संचार करता है।

छठ महापर्व के पावन अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं रायपुर प्रभारी मनीष पाण्डेय ने भिलाई नगर के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण कर श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उन्हें पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

श्री पाण्डेय ने सेक्टर-2 छठ तालाब, छावनी स्थित शीतला शहीद चुम्मन यादव सरोवर, लक्ष्मण नगर, बापू नगर एवं सूर्यकुण्ड हाउस बोर्ड तालाब पहुंचकर श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की और वरिष्ठजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री पाण्डेय ने कहा कि छठ पूजा आस्था, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, जो सूर्यदेव और छठ मइया की उपासना के माध्यम से मानव और प्रकृति के मधुर संबंध का संदेश देता है।

खेत हमारी माँ, किसी कीमत पर नहीं देंगे जमीन

खरसिया-नवा रायपुर-परमालकसा लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण का मामला

प्रभावित किसानों ने की मंदिर में बैठक

श्रीकंचनपथ समाचार

कोड़िया। यहां के गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में प्रभावित किसानों ने सर्वसम्मति से फैसला किया कि वे अपनी कृषि भूमि किसी भी कीमत पर रेलवे परियोजना के लिए नहीं देंगे। बैठक में सैकड़ों किसान उपस्थित थे, जिन्होंने इसे अपनी आजीविका और अस्तित्व से जुड़ा मामला बताया। किसानों का कहना है कि यह भूमि उनके पूर्वजों की दी हुई पुश्तैनी संपत्ति है, जो उनके जीवन और पहचान का आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने परियोजना का सरेखण, मुआवजा दर और पुनर्वास नीति की कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। उन्होंने इसे अपने संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया।

दुर्ग जिला प्रशासन ने 20 अगस्त को आदेश जारी कर करगाडीह, पाउवारा, भानपुरी, बोरिगारका, चांदखुरी, चंगोरी और घुघसीडीह सहित कई ग्रामों की निजी कृषि भूमि पर खाता विभाजन, अंतरण और खरीदी-बिक्री पर रोक लगा दी थी। किसानों ने इस कदम को मनमाना बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि यह निर्णय बिना आमसभा, खुली जनसुनवाई या प्रभावितों की सहमति के लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि किसानों की संयुक्त आपत्ति का पैकेज 28 अक्टूबर को दुर्ग कलेक्टर को सौंपा जाएगा। उपस्थित लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे परियोजना के खिलाफ सशक्त आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

किसान नेता ढालेश साहू ने कहा कि दुर्ग कलेक्टर का आदेश किसानों के हितों के विपरीत है। पुश्तैनी भूमि उनके जीवन और पहचान का आधार है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि बिना किसानों की सहमति कोई कदम न उठाया जाए और प्रतिबंध आदेश तुरंत निरस्त कर प्रभावित ग्रामों में खुली जनसुनवाई आयोजित की जाए।

बौद्ध महासभा के चुनाव के लिए 5 अधिकारी नियुक्त

भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई की विशेष सभा बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 में हुई। उपाध्यक्ष विनोद वासनिक ने आगामी त्रि वर्षीय चुनाव की जानकारी दी। विशेष सभा में पांच चुनाव संचालन अधिकारियों को सभा ने सर्वसम्मति से चयनित किया।

इसमें मुख्य चुनाव अधिकारी एल उमाकांत, सहायक चुनाव अधिकारी प्रभाकर खोब्रागढ़े, नरेश मेश्राम, अनिल रंगारी और भारती खांडेकर बनाए गए। शांतिपूर्ण चुनाव की अपील की गई। संस्था का चुनाव दिसंबर में सभावित है। आभार प्रदर्शन संस्था के उपाध्यक्ष कृष्णा बंसोडकर ने किया। संचालन महासचिव रामराव ढोक ने किया। सभा में हुई कार्यवाही की लेखनी रजिस्टर में दर्ज संस्था के कार्यकारी सदस्य ज्ञानचंद टेम्भुरकर ने की।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

संविदा कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने सौंपा प्रस्ताव

रायपुर। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ ने पॉवर कंपनी के संविदा कर्मचारियों के मानदेय वृद्धि, पुरानी पेंशन बहाली, अनुकंपा नियुक्ति और राष्ट्रीय त्योहारों पर अतिरिक्त वेतन के लिए प्रबंधन को प्रस्ताव सौंपा है। महासंघ का प्रतिनिधिमंडल अखिल भारतीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल के मार्गदर्शन में प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन, मुख्य अभियंता एचआर और अन्य उच्च अधिकारियों से मिला। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय तिवारी और प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। प्रबंधन ने प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए आगामी नवंबर माह में आदेश जारी करने का आश्वासन दिया है। महासंघ ने स्पष्ट किया कि अगर वादे को शीघ्र अमल में नहीं लाया गया, तो आंदोलन फिर से तेज किया जाएगा।

माहेश्वरी सभा ने ठाकुरजी को लगाया अन्नकूट भोग

रायपुर। माहेश्वरी सभा द्वारा डुंडा स्थित माहेश्वरी भवन में रविवार को दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सभा के सदस्य और पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। यहां ठाकुरजी की विशेष पूजा और 56 भोग लगाया गया। इस दौरान भगवान का द्वारिकाधीश स्वरूप में शृंगार किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासभा से नारायण राठी, प्रदेश सभा अध्यक्ष सुरेश मुंधड़ा, अर्थ मंत्री मनोज राठी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेश तापड़िया, सचिव आलोक बागड़ी, मीडिया प्रभारी विष्णु सारडा के साथ माहेश्वरी महिला समिति व माहेश्वरी युवा मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

कायस्थ समाज की पत्रिका का विमोचन

रायपुर। कायस्थ समाज और सुषेण वैध स्मृति सेवा समिति द्वारा दिवाली मिलन और परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। राजधानी के होटल में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यहां 35 युवाओं ने अपना परिचय देकर जीवनसाथी की तलाश की। साथ ही समाज द्वारा प्रकाशित वैवाहिक पत्रिका तलाश ए हमसफर का विमोचन किया गया। समारोह में समाज के प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें बसंती देवी बख्शी, अरुणलता श्रीवास्तव, सुनंदा वर्मा, मनोरमा श्रीवास्तव, डॉ. पल्लवी सिन्हा, डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव, अर्चना प्रसाद, मंजुला श्रीवास्तव, किरणलता वैद्य सहित अन्य शामिल रहे। इस दौरान अतिथि के तौर पर राजेश श्रीवास्तव, अनुराधा खरे, सतीश श्रीवास्तव, राम प्रकाश श्रीवास्तव शामिल हुए।

बीएसएफ मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

भिलाई। रिसाली स्थित सामरिक मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (विशेष-संक्रिया) छत्तीसगढ़ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

किया गया। सोमवार को आनन्द प्रताप सिंह, आईपीएस, महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल के दिशा निर्देश पर गिरधारी लाल मीणा, उप महानिरीक्षक (पीएसओ) ने सीमान्त मुख्यालय में उपस्थित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवानों को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के लिए निर्बाध रुप से कार्य करने की शपथ दिलाई। यह सुरक्षा जागरुकता सप्ताह 27 अक्टूबर 2025 से 02 नवम्बर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपमहानिरीक्षक मीणा ने कार्मिकों को बताया कि हम अपने संगठन के विकाश ओर प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहते हुए, सामूहिक प्रयासों द्वारा संगठन को गौरवशाली बनायेंगे। उन्होंने जवानों को सिद्धांतों पर आधारित सेवा प्रदान कर अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण ईमानदारी तथा बिना पक्षपात के करने के लिए प्रेरित किया। सपाट समारोह में सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी सहित 150 से अधिक जवानों ने शपथ ली। अन्त में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं सत्यनिष्ठा के संकल्प के साथ किया गया।

छत्तीसगढ़ आएंगे विश्व के टॉप यूनिवर्सिटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी पर यहीं रहकर विदेशी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सेवा क्षेत्र के आठ सेक्टरों को नई औद्योगिक नीति के दायरे में लाया गया है। इससे विदेशी विश्वविद्यालयों का कैंपस भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में कैंपस खुलने पर विशेष रियायतें भी दी जाएगी।

हालांकि उन्हीं विश्वविद्यालयों के कैंपस छत्तीसगढ़ में खुल सकेंगे, जो क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के टॉप 500 में शामिल हो। विदेश विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने से विदेश जाकर पढ़ाई करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर होनहार विद्यार्थियों को ज्यादा फायदा होगा।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 54 भारतीय संस्थानों को ही शामिल किया गया है। विदेश विश्वविद्यालयों को कम से कम 1000 छात्रों की क्षमता

वाला एकीकृत परिसर होना चाहिए। इसे भारत सरकार एवं यूजीसी की अनुमति होनी चाहिए। परिसर में विश्वस्तरीय शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। परिसर में छात्रावास, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, लैब्स, खेल सुविधा, कैंटीन, स्वास्थ्य सुविधा आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। मान्य स्थायी पूंजी निवेश में भूमि, विश्वविद्यालय भवन, शिक्षा के लिए अधोसंरचना, प्रयोगशाला, खेल अधोसंरचना, छात्रावास व मेस सम्मिलित होंगे।

स्पोर्ट्स और री- क्रियेशनल सेंटर के लिए भी खुले रास्ते

छत्तीसगढ़ में निवेशक अब स्पोर्ट्स व री-क्रियेशनल सेंटर में भी अपना निवेश कर सकेंगे। इस सेंटर में कम से कम तीन खेल गतिविधियों के साथ फिटनेस, योग, इंडोर-आउटडोर गेम्स, स्वीमिंग पूल की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके निर्माण के लिए कम से कम 5000 वर्गफीट होना जरूरी है। यहां आधुनिक खेल उपकरणों, प्रशिक्षकों और जन-उपयोगी सुविधा होनी चाहिए। मान्य स्थायी पूंजी निवेश में भूमि, खेल से संबंधित अधोसंरचना, जिम, स्विमिंग पूल, दर्शक दीर्घा, योग/फिटनेस रूम, जन-उपयोगी सुविधा को सम्मिलित किया जाएगा। खेल उपकरण मान्य स्थायी पूंजी निवेश में सम्मिलित नहीं होंगे।

बस्तर-सरगुजा में खोल सकेंगे कैंपस, देनी होंगी सुविधाएं

राज्य सरकार ने देश के निजी विश्वविद्यालयों को भी बस्तर और सरगुजा संभाग में अपने कैंपस खोलने की मंजूरी दी है। एनआईआरएफ विश्वविद्यालय रैंकिंग के टॉप 100 में शामिल विश्वविद्यालय ही अपने कैंपस खोल सकेंगे। इन्हें न्यूनतम 1000 छात्रों की क्षमता के स्थायी कैंपस बनाना होगा। परिसर में छात्रावास, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, लैब्स, खेल सुविधा, कैंटीन, स्वास्थ्य सुविधा आदि की व्यवस्था होनी चाहिए।

नरैया तालाब में 40 वर्षों से हो रही छठ पूजा, दिया अर्घ्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा चार दिनों के अपने अनुष्ठान के तीसरे दिन को पूरा करते हुए सोमवार संध्या अर्घ्य के साथ नरैया तालाब छठ घाट में धूमधाम से मनाया गया। आज तड़के उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया।

सजे हुए सुंदर घाट और व्यापक इंतजामों के साथ हजारों की भीड़ में टिकरापारा के नरैया तालाब में भी हजारों छठ व्रतियों ने संध्या अर्घ्य दिया । नरैया तालाब छठ महापर्व आयोजन समिति के वीरेंद्र दुबे ने बताया कि 40 वर्षों से इस तालाब में छठ पूजा की जाती है, जब शहर में सिर्फ आमा तालाब और व्यास तालाब में छठ पूजा होती थी तब से यहां छठ व्रती महिलाएं छठ पूजा कर रही हैं। कई परिवार की तीसरी पीढ़ी यहां पूजा करने आती हैं।

वीरेंद्र दुबे ने बताया कि नगर निगम की ओर से लगातार सहयोग मिलता है और बेहतर साफ सफाई की व्यस्वस्था का प्रयास निगम और समिति के सदस्य करते हैं। समिति के लोगों ने नगर निगम की साफ-सफाई पर प्रशासन का और सुरक्षा के लिए पुलिस का धन्यवाद दिया। घाट में स्वागत द्वार, लाइट, टेंट, भंडारा की व्यवस्था की गई है। 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ महापर्व का सम्पन्न हो गया।

छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले में अब रिपीट नहीं होगा कलेक्टर

कलेक्टरों की नियुक्ति के लिए सरकार बना रही नये नियम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छग का सामान्य प्रशासन विभाग अब कलेक्टरों की नियुक्ति के लिए नया नियम बनाने जा रहा है। जिसके अनुसार अब नव नवेले आईएएस अधिकारी को जब नौ साल कार्य करने का अनुभव हो जाएगा तब उसे कलेक्टर का पद दिया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्र शासन द्वारा डीएम फंड की जवाबदेही कलेक्टर को दिये जाने के बाद पुरानी सरकार ने मनमानी करते हुए प्रमोटी आईएएस को कलेक्टरी प्रदान कर दीथी। जिसके चलते भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच गया था। सरकार अब इस मामले पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है। नये नवेले आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने के लिए टाइम थोड़ा बढ़ाया जाएगा।

वर्तमान में 2019 बैज के लिए आईएएस कलेक्टर बनना शुरू हो गया है। बाकि राज्यों में यह क्रियेट नौ साल का है। इससे राज्य की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। तथा कलेक्टरों का परफामेंस गड़बड़ा रहा है।

सरकार दूसरे विकल्प के रूप में इसी आईएएस को एक जिले का कलेक्टर बनाकर ब्रेक देना चाहती है ताकि दूसरे जिले में उसे काम करने का वक्त दिया जाए। राज्य शासन आईएएस अधिकारियों की कार्यक्षमता नया कार्य कर सकते हैं।

छग राज्य में मुख्य सचिव का कार्यकाल का रिकॉर्ड बनाने वाले अमिताभ जैन की पोस्टिंग रिथायरमेंट में बाद नई पोस्टिंग नहीं होना संस्पेस बना हुआ है। इसके पहले आरपी मंडल को 20 मिनट के अंदर एनआरडीए का चेयरमैन बना दिया गया था जबकि अमिताभ जैन कोरिया और जापान गये हुए थे लेकिन अभी तक उनका कोई आदेश नहीं हुआ है विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष का पद खाली है लेकिन अभी तक अभी तक इसकी नियुक्ति नहीं हुई है। सूचना आयुक्त का पद भी खाली पड़ा हुआ है। लेकिन अभी तक इस पर भी कोई नियुक्ति नहीं हुई है। अमिताभ जैन ने मुख्य सूचना आयुक्त के लिए इंटरब्यूह दिया था। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री की नियुक्ति के बाद नई पोस्टिंग पर नई नियुक्ति की जाएगी।

किसानों ने एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग की

रायपुर। प्रदेश में किसानों की धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू हो रही है। जिसके लिए छग शासन के एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। इसकी अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है इधर किसानों ने मांग की है कि एग्रीटेक पोर्टल की पंजीयन तिथि बढ़ाई जाए। राजस्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार सरकार इस पर विचार कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्र शासन द्वारा किसानों की भूमि तथा अन्य योजनाओं किसान समृद्धि योजना फसल बीमा तथा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ दिया जाता है। एग्रीपोर्टल में किसानों को बी 1 आधार कार्ड लिंक वाला तथा आधार कार्ड एवं बैंक की खाते ही फोटो कापी केवायसी सहित होनी चाहिए। एग्रीटैक में पोर्टल होने के बाद इससे राजस्व विभाग के पटवारी तथा तहसीलदार प्रमाणित करते हैं। इसके पश्चात धान खरीदी केंद्रों में सहकारी समितियों में इसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है। लेकिन अभी तक सिर्फ 24 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है, चार लाख किसान अभी बचे हुए हैं।

सहकारी समितियों ने सौंपा चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

धान खरीदी पर पड़ सकता है प्रभाव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरकार 15 नवंबर से धान खरीदी करने जा रही है। इधर सहकारी समितियों के कर्मचारी अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन प्रारंभ करने जा रहे हैं। कर्मचारियों ने वित्तमंत्री एवं मुख्यमंत्री को इस आशय से ज्ञापन सौंप दिया है।

सहकारी समिति के अध्यक्ष ने बताया कि हम 12 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। उन्होंने कम्प्यूटर ऑपरेटरों को विभागीय कर्मचारी घोषित करने व नियमितीकरण करने की मांग की है। इसके अलावा सहकारी समितियों में कार्यरत के वेतन का भूगतान 3-3 लाख रूपए प्रतिवर्ष किए जाने की मांग है। उन्होंने काण्डे से ली गई रिपोर्ट जारी करने की मांग की है। संघ ने महंगाई भत्ता, भविष्य निधि राशि एवं संविदा कर्मियों के सीधी भर्ती की मांग की है।

सरकारी समितियों के कर्मचारी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिला मुख्यालय में रैली निकालकर मंत्रियों के नाम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके पश्चात 3 नवंबर से 11 नवंबर तक अनिश्चितकालीन आंदोलन होगा। इसके बाद उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो 12 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो जाएगा। ज्ञात रहे विभिन्न सहकारी समितियों में इन कर्मचारियों की भूमिका अहम होती है, यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो इसे धान खरीदी प्रभावित हो सकती है। कर्मचारी महासंघ के अनुसार जल्दी ही हमारी मांग पूरी की जाएगी ऐसा हमें आशा है।

नन्हीं जुबान पर गुरुओं की गाथा, निहाल हुई संगत

रायपुर। गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में रविवार को स्टेशन रोड गुरुद्वारे में शबद गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 2 से लेकर 15 साल के बच्चों ने गुरुवाणी पाठ किया। उनके शबद-कीर्तन की गूंज से गुरुद्वारे का हॉल गूंज उठा। नन्हे बच्चों की जुबान से सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास सुन संगत हैरान हो गई। बच्चों ने सिख पंथ के पहले गुरु नानक देव से लेकर 10वें गुरु गोविंद सिंह के योगदान की गाथा सुनाई। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सभी 121 बच्चों को पुरस्कृत किया। घरों में जारी सहजपाठ का समापन भी संगत ने रविवार को गुरुद्वारे में किया। इस मौके पर गुरुद्वारे के प्रधान सुरेंद्र सिंह छाबड़ा, रविंदर सिंह दत्ता, इंदरजीत सिंह छाबड़ा, सचिव तेजिंदर सिंह होरा, मंजीत सिंह सलूजा मौजूद रहे।

गुरुनानक नगर से निकली प्रभातफेरी: गुरुनानकदेव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारों से प्रभातफेरी का सिलसिला जारी है। गुरुसिंह सभा गुरुनानक नगर गुरुद्वारे से रविवार को तेलीबांधा तक प्रभातफेरी निकाली गई।

'बिहान' से बदला ग्रामीण महिलाओं का जीवन

काम कर गयी साझी मेहनत, साझा समृद्धि की नई अवधारणा

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त अभियान बन चुका है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसालें गढ़ रही हैं।

बिहान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वसहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर समाज में आत्मगौरव के साथ जीवन यापन कर सकें।

धमतरी जिले में बिहान योजना के तहत बीते जुलाई माह तक 58 महिला सदस्यों को सेंट्रिंग प्लेट निर्माण एवं किराये हेतु ऋण प्रदाय किया गया, जिसके माध्यम से उन्होंने स्वरोजगार की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है। इनमें धमतरी विकासखंड की 27, कुरूद

की 15, मगरलोड की 7 एवं नगरी विकासखंड की 9 महिलाएं शामिल हैं। इन महिलाओं को समूह स्तर पर प्रकरण तैयार कर आरएफ मद से 15 हजार, सीआईएफ से 60 हजार तथा बैंक ऋण के रूप में 3 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई।

प्राप्त राशि से समूह की महिलाओं द्वारा 59 हजार 300 वर्गफीट सेंट्रिंग प्लेट की खरीदी की गई है। इन प्लेटों को महिलाएं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित अन्य शासकीय निर्माण कार्यों और स्थानीय बाजारों में 20 से 25 रुपये प्रति वर्गफीट के किराये पर उपलब्ध करा रही हैं। इससे महिलाओं को निरंतर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है।

महिलाओं ने समूह की सहायता से न केवल आर्थिक रूप से सशक्त होने की दिशा में कदम बढ़ाया है, बल्कि नियमित बचत कर समय पर ऋण की अदायगी भी कर रही हैं। इस पहल से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।

जिला पंचायत धमतरी द्वारा इन समूहों को न केवल आर्थिक सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान से भी उन्हें सशक्त बनाया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत धमतरी रोमा श्रीवास्तव ने कहा कि बिहान योजना से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। समूह आधारित कार्य प्रणाली ने उन्हें आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाया है। आज वे स्वयं की मेहनत से अपने परिवार और समाज में परिवर्तन की प्रेरणा बन रही हैं।

बिहान योजना ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब महिलाएं संगठित होकर आगे बढ़ती हैं, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नवचेतना और विकास की नई राहें खुलती हैं।

बिहार के लिए कांग्रेस ने भी बनाई स्टार प्रचारकों की सूची

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी ह। लिस्ट में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी के साथ-साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नेताओं के नाम भी शामिल हैं।

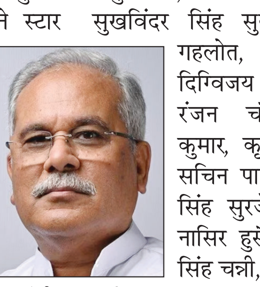

इस लिस्ट में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, मीरा कुमार, गौरव गोगोई, कन्हैया कुमार, पवन खेड़ा जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाए गए हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का नाम हालांकि इस लिस्ट में शामिल हैं।

सूची में मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, सुखविंदर सिंह सुक्खू, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, दिग्विजय सिंह, अधीर रंजन चौधरी, मीरा कुमार, कृष्णा अल्लावरु, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, चरणजीत सिंह चन्नी, गौरव गोगोई, तारिक अनवर, डॉ. मोहम्मद जावेद, अखिलेश प्रसाद सिंह, मनोज राम, अलका लंबा, कन्हैया कुमार, पवन खेड़ा, इमरान प्रतापगढ़ी, शकील अहमद, जीतू पटवारी, सुखदेव भगत, राजेश कुमार राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, अजय राय, जिग्नेश मेवानी, रंजीत रंजन, राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, फुरकान अंसारी, भानु चिब और सुबोध कांत सहाय के नाम शामिल हैं।

पांच हजार करेंगे राज्योत्सव की सुरक्षा, चप्पे-चप्पे पर होगी नजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्योत्सव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। नवा रायपुर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। 20 आईपीएस, 100 एडिशनल एसपी और डीएसपी रैंक के अधिकारी समेत 5 हजार जवानों की नवा रायपुर के चप्पे-चप्पे पर नजर रहेगी। एडीजी रैंक के अधिकारी सुरक्षा इंतजामों की मॉनीटरिंग करेंगे। इसके अलावा राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती भी की जाएगी।

बता दें कि आगामी 1 से 5 नवंबर तक मनाए जा रहे राज्योत्सव में शामिल होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी रायपुर पहुंचेंगे। इसे लेकर कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। एएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि अलग-अलग सेक्टर में अफसरों की ड्यूटी लगाई जाएगी। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से भी पुलिस बल बुलाया जाएगा। जगह-जगह

बैरिकेटिंग की जाएगी। पुलिस के जवान सिविल ड्रेस में भी भीड़ के बीच तैनात किए जाएंगे। राज्योत्सव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, एसएसी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन प्रतिदिन कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं।सोमवार रात को भी अफसरों की टीम ने नवा रायपुर में होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, पुलिस बल को अलग-अलग रूट पर तैनात किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम स्थल के आसपास पुलिस का कड़ा पहरा रहेगा। पीएम मोदी नवा रायपुर स्थित सत्य साईं अस्पताल, शांति शिखर, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम म्यूजियम, अटलजी की प्रतिमा का अनावरण, राज्योत्सव स्थल पर जाएंगे। इसलिए हर रूट पर पुलिस का बल तैनात रहेगा। वीआईपी रूट, सेपरेट रूट, पब्लिक रूट पर ज्यादा फोकस होगा। अफसरों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी।

साहू संघ का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

मांढर। रविवार को दलदल सिवनी परिक्षेत्र साहू संघ का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इसमें रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू एवं जोन 9 के पार्षद गोपेश साहू एवं पार्षद मोहन साहू केशव राम साहू एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश न्याय प्रकोष्ठ के झुमका लाल साहू गिरवर साहू अध्यक्ष दलदली सिवनी परिक्षेत्र उपाध्यक्ष उमराव साहू गोपेश साहू भागवत साहू महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष यशोदा साहू आदि उपस्थित थे।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

‘पद्मावत’ की मेहरुनिसा से लेकर ‘मर्डर 3’ की रोशनी तक, अदिति राव हैदरी ने हर किरदार में बिखेरा अभिनय का जादू

अदिति राव हैदरी भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी सादगी और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। आज 28 अक्तूबर को अभिनेत्री अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। इस अहम मौके पर जानेंगे उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में, जिनके लिए उन्हें पहचाना जाता है। तो चलिए जानते हैं उनकी फिल्में।

बॉलीवुड की मशहूर मर्डर फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट का नाम ‘मर्डर 3’ है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसे विशेष भट्ट द्वारा निर्देशित किया गया था। इस फ्ल्म में विक्रम (रणदीप हुड्डा) जो एक फोटोग्राफर है, निशा (सारा लोरेन) से एक बार मिलता है और दोनों की तुरंत दोस्ती हो जाती है। जल्द ही वे प्यार में पड़ जाते हैं और अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर ले जाते हैं। निशा उसके घर में रहने आती है, लेकिन जल्द ही उसे उसके राज पता चलने लगते हैं। वह विक्रम की पूर्व प्रेमिका रोशनी (अदिति राव हैदरी) के गायब होने के पीछे छिपे के सच का पता लगाने लगती है। ‘मर्डर 3’ में अदिति राव हैदरी ने अच्छा काम किया है।

दिल्ली 6

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में ‘दिल्ली 6’ फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी। आपक बता दें कि इस फिल्म से अदिति राव हैदरी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनका रोल कम था, लेकिन सभी ने उनके किरदार को खूब सराहा था। फिल्म एक एनआरआई के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बीमार दादी के साथ भारत लौटता है, लेकिन हैरानी की बात है कि वह खुद को दिल्ली के बीचों-बीच एक मंदिर-मस्जिद विवाद में फंसा हुआ पाता है। ‘दिल्ली 6’ में अदिति राव हैदरी ने रमा बुआ का किरदार निभाया था। इसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर मुख्य भूमिका में थे।

पद्मावत

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म ‘पद्मावत’ में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म अदिति राव हैदरी की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। अदिति हर फ्रेम में एक स्टार की तरह चमकीं। उन्होंने खिलजी की पत्नी मेहरुनिसा का किरदार बखूबी निभाया था। फिल्म में जैसे-जैसे खिलजी रानी पद्मावती के प्रति और अधिक आसक्त होता गया, मेहरुनिसा ने पत्नी से पहले, एक महिला बनना चुना। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी।

वजीर

फरहान अख्तर, अमिताभ बच्चन और अदिति राव हैदरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म ‘वजीर’ 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अदिति राव हैदरी ने रुहाना अली की भूमिका निभाई थी और तमाम दिग्गजों के बीच भी अपनी जगह और लाइमलाइट बरकरार रखी। इस फिल्म की कहानी एक पुलिसवाले दानिश के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी की हत्या करने वाले एक आतंकवादी से बदला लेने के मिशन पर है। इसी दौरान उसकी मुलाकात पंडित से होती है, जो अपनी बेटी के लिए शोक मना रहा है।

रॉकस्टार

इम्तियाज अली के निर्देशन में साल 2011 में ‘रॉकस्टार’ फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं अदिति राव हैदरी ने शीना के रूप में फिल्म अहम किरदार अदा किया था। उनके रोल ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

हीरामंडी

अदिति राव हैदरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज ‘हीरामंडी: द डायमंड बाजार’ सीरीज में नजर आई थीं। यह साल 2024 में रिलीज हुई थी, जिसे संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित किया गया था। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है। इसमें मनीषा कोइराला , सोनाक्षी सिन्हा और ऋचा चड्ढा जैसे कई सितारे शामिल थे।

‘मिशन कश्मीर’: हीरोइन से ऋतिक रोशन की फीस कम थी: फिल्म फ्लॉप होती तो बिक जाता प्रोड्यूसर का घर

साल 2000 में रिलीज हुई ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म ‘मिशन कश्मीर’ ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था, लेकिन इसके पीछे की कहानी बेहद दिलचस्प है। इस फिल्म के निर्देशक और प्रोड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा ने खुद कबूल किया था कि अगर यह मूवी फ्लॉप होती, तो उनका घर बिक जाता।

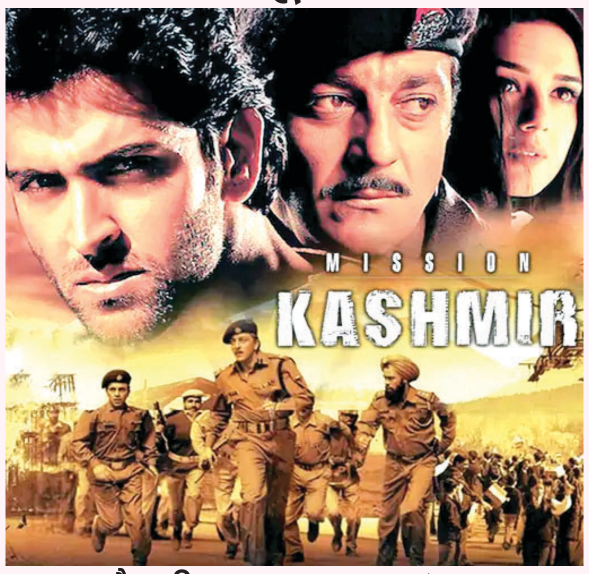

सुकेतु मेहता की किताब ‘मैक्सिमम सिटी’ (2004) के मुताबिक, फिल्म के कॉन्ट्रैक्ट में बड़े दिलचस्प नियम रखे गए थे। ऋतिक रोशन की फीस 11 लाख तय की गई थी, लेकिन फ्लॉप होने पर उन्हें केवल 1 लाख रुपए मिलते। फिल्म हिट होने पर 10 लाख रुपए बोनस जोड़ने का वादा किया गया था। वहीं, प्रीति जिंटा को 15 लाख रुपए का भुगतान तय हुआ था, जो सफलता पर 10 लाख बढ़ सकता था और असफलता पर सिर्फ 1 लाख रह जाता। संजय दत्त का कॉन्ट्रैक्ट इससे भी ज्यादा जोखिम भरा था। उन्हें 25 लाख रुपए तभी मिलते जब फिल्म लागत निकाल लेती, और अगर फ्लॉप होती, तो उन्हें एक पैसा भी नहीं मिलता। सफलता पर उन्हें अतिरिक्त 25 लाख रुपए बोनस के तौर पर मिलना था।

शाहरुख और अमिताभ करने वाले थे रोल

फिल्म में अल्ताफ का किरदार पहले शाहरुख खान और इनायत खान की भूमिका अमिताभ बच्चन को ऑफर की गई थी। लेकिन दोनों ने ‘मोहब्बतें’ साइन करने के कारण ये फिल्म छोड़ दी। इसके बाद विधु विनोद चोपड़ा ने ऋतिक रोशन और संजय दत्त को कास्ट किया।

’कहो ना प्यार है’ ने पलट दिए समीकरण

शूटिंग के दौरान ही ऋतिक की डेब्यू फिल्म ‘कहो ना प्यार है’ रिलीज हुई और सुपरहिट साबित हुई। रातोंरात उनकी स्टार वैल्यू बढ़ गई। इसके बाद ‘मिशन कश्मीर’ के कॉन्ट्रैक्ट में बदलाव किए गए, क्योंकि अब ऋतिक के नाम से फिल्म को बड़ा मुनाफा मिलने की उम्मीद थी।

37 करोड़ का बिजनेस कर निकाला कर्ज

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, ‘मिशन कश्मीर’ ने दुनियाभर में करीब 37 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इससे न सिर्फ फिल्म हिट साबित हुई, बल्कि विधु विनोद चोपड़ा का कर्ज भी उतर गया।

अध्यात्म की ओर मनीषा कोइराला, गुरु मिंग्युर रिनपोछे के पहुंचीं आश्रम

मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने बौद्ध शिक्षाओं और आध्यात्मिकता के जरिए जीवन और मृत्यु को समझने की अपने सफर के बारे में बताया।

मनीषा का पोस्ट

मनीषा कोइराला ने गुरु मिंग्युर रिनपोछे के साथ कई तस्वीरें इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कीं। इसके साथ ही मनीषा ने कैप्शन में लिखा, ‘हमेशा मृत्यु को समझना चाहती थीं, ताकि उसका डर खत्म हो जाए।’ मनीषा ने आगे किताब ‘द तिब्बती बुक ऑफ लिविंग एंड डाइंग’ की एक पंक्ति लिखी- ‘आप वैसे ही मरते हैं जैसे आप जीते थे’।

न्यिमा रिनपोछे से मुलाकात

मनीषा ने अपनी इस पोस्ट में न्यिमा रिनपोछे से हुई मुलाकात के बारे में जिक्र करते हुए लिखा, ‘2008-09 में चोकी न्यिमा रिनपोछे से मिलीं। मैंने सवाल पूछा- ‘मेरा जीवन उद्देश्य क्या?’ जवाब मिला- ‘यह पश्चिमी सवाल है।’ जब मनीषा ने बाद में बारदो (मृत्यु और पुनर्जन्म के बीच का समय) के बारे में पूछा, तो योंगे मिंग्युर रिनपोछे के पास भेजा गया।

मिंग्युर रिनपोछे से प्रेरित हैं मनीषा

मनीषा ने आगे लिखा, ‘मिंग्युर रिनपोछे की कक्षाओं से प्रेरित हुईं। वे प्राचीन बौद्ध ज्ञान को क्वांटम फिजिक्स और आधुनिक विज्ञान से जोड़कर सरल तरीके से समझाते हैं। अब उनके कोर्स दोबारा शुरू करने को उत्सुक हैं।’ मनीषा ने सीखा कि कैसे जीवन और मृत्यु अलग नहीं, जागृति यहीं शुरू होती है।

मनीषा के बारे में

मनीषा मूल रूप से काठमांडू, नेपाल की रहने वाली हैं। वह नेपाल के प्रसिद्ध राजनीतिक परिवार से। दादा बिश्वेश्वर प्रसाद कोइराला देश के पहले लोकतांत्रिक प्रधानमंत्री थे। मनीषा ने अपना बॉलीवुड करियर 1991 में फिल्म ‘सौदागर’ से शुरू किया था। मनीषा ने ‘1942: अ लव स्टोरी’, ‘बॉम्बे’, ‘खामोशी: द म्यूजिकल’ और ‘दिल से’ जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। बहरहाल, मनीषा अब जल्द ही वेब सीरीज ‘हीरामंडी 2’ में नजर आएंगी।

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने साझा की छठ पर्व की तस्वीरें

अक्षरा सिंह भोजपुरी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। पिछले कुछ दिनों से वह छठ पर्व मनाने में व्यस्त थीं। छठ पर्व के आखिरी दिन अक्षरा सिंह के अलावा भोजपुरी एक्ट्रेस सृष्टि पाठक ने कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा की, जिसमें छठ पर्व की प्यारी यादें समेटी गई हैं।

अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर छठ पर्व की तैयारियों से लेकर घाट पर अर्ध्य देने तक की तस्वीरें साझा की हैं। परिवार के लोग भी इन तस्वीरों में शामिल नजर आ रहे हैं। खुद भी अक्षरा ने साड़ी पहनी है। घाट पर पूजा करते हुए भी अक्षरा ने तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। अपनी पोस्ट के साथ अक्षरा ने कैप्शन भी लिखा है, ‘पहला अर्घ्य सूर्य देव को, नई ऊर्जा और आशा के संग।’ फैंस ने भी अक्षरा की तस्वीरों को खूब प्यार दिया है।

सृष्टि पाठक ने गाया छठ गीत

सृष्टि पाठक ने भी इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह छठ का गीत गा रही हैं। साथ ही कैप्शन में भोजपुरी एक्ट्रेस ने लिखा, ‘आपकी हर मनोकामना पूर्ण हो, छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।’

ब्रिमैटो यानी एक ही पौधे पर बैंगन और टमाटर

क्या आपने कभी सोचा है कि एक ही पौधे से बैंगन और टमाटर दोनों मिल सकते हैं? यह बात भले ही किसी कहानी जैसी लगे, लेकिन वाराणसी स्थित भारतीय सब्ज़ी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) के वैज्ञानिकों ने इसे हकीकत में बदल दिया है। उन्होंने ऐसा पौधा तैयार किया है, जिसे नाम दिया गया है-‘ब्रिमैटो’। यह पौधा न सिर्फकिसानों के लिए खेती की नई क्रांति साबित हो रहा है, बल्कि शहरी इलाकों में छत आदि पर गार्डनिंग के शौकीनों के लिए भी वरदान है। वाराणसी स्थित भारतीय सब्ज़ी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार ‘ब्रिमैटो’ पौधा खेती की नई क्रांति साबित हो रहा है। यानी एक ही पौधे से बैंगन और टमाटर दोनों की पैदावार होती है जिससे जगह व लागत की बचत हो रही है। वहीं शहरी इलाकों में छत आदि पर गार्डनिंग के शौकीनों के लिए भी यह वरदान है।

दरअसल, ब्रिमैटो वैज्ञानिकों की डुअल ग्राफ्टिंग तकनीक का परिणाम है। इसमें बैंगन की मजबूत जड़ों पर टमाटर को चढ़ाया गया है। इससे बैंगन की जड़ें पानी ज्यादा सह लेती हैं, जबकि टमाटर पानी से जल्दी खराब हो जाता है। इस प्रयोग का नतीजा यह निकला कि बैंगन और टमाटर दोनों एक साथ मिलने लगे। साल 2017 में पहली बार बैंगन की देशी किस्म आईसी 111056 पर यह प्रयोग सफ्ल हुआ और लगातार परीक्षणों के बाद आईआईवीआर ने हाल ही में आईसीएआर में इसे पंजीकृत कराया है। इसका किसानों को प्रशिक्षण और पौधे उपलब्ध कराने का काम शुरू हो गया है।

4.50 किलो टमाटर, 3 किलो बैंगन

ब्रिमैटो के फायदे जानकर कोई भी किसान इसे अपनाना चाहेगा। एक ही पौधे से औसतन चार से साढ़े चार किलो टमाटर और साढ़े तीन किलो बैंगन मिल जाते हैं। खास बात यह है कि सामान्य पौधों की तुलना में पंद्रह से बीस दिन पहले ही फ्ल मिलने लगते हैं। यदि बड़े पैमाने पर खेती की जाए तो एक हेक्टेयर में 37 टन से ज्यादा टमाटर और 35 टन के करीब बैंगन की पैदावार होती है। यानी लागत घटती है और आमदनी बढ़ जाती है। अनुमान है कि इससे किसानों को करीब छह लाख रुपये तक शुद्ध लाभ हो सकता है।

एक पौधे पर दो फसलें

उत्तर प्रदेश सोनभद्र, देवरिया और आज़मगढ़ जैसे जिलों के किसान पहले ही इसे अपनाकर खुशहाल हो रहे हैं। सोनभद्र के किसान रामनिवास यादव बताते हैं कि अब अलग-अलग पौधे लगाने का झंझट खत्म हो गया है। एक ही पौधे से दोनों फ्सलें मिल जाती हैं और मेहनत आधी रह गई है। वहीं देवरिया की राधिका देवी कहती हैं कि उनके छोटे से बगीचे में अब बैंगन और टमाटर दोनों मिल रहे हैं और बाजार से सब्ज़ी खरीदने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती।

आसान है ब्रिमैटो की खेती

खेती की तकनीक में भी ब्रिमैटो बेहद आसान है। बैंगन की मजबूत जड़ों के चलते यह लंबे समय तक उत्पादन देता है। हालांकि इसमें बैंगन और टमाटर दोनों तरह के कीट लग सकते हैं, इसलिए किसानों को सतर्क रहना पड़ता है। नियमित निगरानी और जैविक कीटनाशकों का प्रयोग इसकी सेहत बनाए रखता है। दिलचस्प यह है कि ब्रिमैटो से पहले वैज्ञानिकों ने पोमैटो नाम का पौधा तैयार किया था, जिसमें आलू और टमाटर एक साथ मिलते थे। लेकिन उसकी पैदावार सीमित थी और वह ज्यादा लोकप्रिय नहीं हो पाया। इसके मुकाबले ब्रिमैटो ज्यादा व्यावहारिक साबित हो रहा है। सिर्फउत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के किसान और शहरी गार्डनर्स भी इसे अपना रहे हैं।

शहरी गार्डनिंग के अनुकूल

ब्रिमैटो की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं है बल्कि शहरी गार्डनिंग के लिए भी बेहद उपयोगी है। शहरों में जहां खेती की जगह कम होती जा रही है, वहां एक ही गमले में दो सब्ज़ियां मिल जाना किसी सपने जैसा है। बालकनी या छत पर इसे आसानी से लगाया जा सकता है। इससे रोज़ाना ताज़ी सब्ज़ियां मिलती हैं और पानी-खाद की बचत भी होती है। घर पर ब्रिमैटो लगाने के लिए ज्यादा जटिल तकनीक की ज़रूरत नहीं है। धूप वाली जगह चुनें, हल्की और जलनिकासी वाली मिट्टी तैयार करें और उसमें गोबर की खाद या वर्मी कम्पोस्ट मिलाएं। पौधे को हफ्ते में दो-तीन बार पानी दें और समय-समय पर जैविक खाद डालें। यदि कीट लगें तो नीम का तेल या हल्का साबुन पानी छिड़कने से फायदा होगा।

किसानों को फायदा

यूपी के सोनभद्र, देवरिया और आज़मगढ़ के 180 से ज्यादा किसानों ने ब्रिमैटो को अपनाया। इसके एक पौधे से लगभग 4.5 किलो टमाटर और 3.5 किलो बैंगन निकल आते हैं। सामान्य पौधों से 15-20 दिन पहले फल देने लगता है। आईआईवीआर ने इस साल नर्सरी से 25,000 से ज्यादा पौधे बेच दिए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्रिमैटो से एक हेक्टेयर में 37.3 टन टमाटर और 35.7 टन बैंगन पैदा हो सकते हैं जिससे किसान को करीब 6.4 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ हो सकता है।ब्रिमैटो का पौधा जगह बचाता है, ऐसे में यह शहरों में छत पर गार्डन के लिए बेहतरीन है। भारतीय सब्ज़ी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने इससे पहले भी पोमैटो विकसित किया था, जिसमें टमाटर और आलू उगते थे। लेकिन पोमैटो की पैदावार और टिकाऊपन सीमित था। ब्रिमैटो अधिक टिकाऊ, व्यावहारिक और लोकप्रिय हो गया है। ब्रिमैटो सिर्फएक पौधा नहीं बल्कि खेती की नई क्रांति का प्रतीक है। किसानों के लिए कम मेहनत और ज्यादा मुनाफे का रास्ता खोलता है। शहरी बाग़वानों को कम जगह में ताज़ी सब्ज़ियां उपलब्ध कराता है। एक ही पौधे से बैंगन और टमाटर का स्वाद-यानी स्वाद भी, सेहत भी और भविष्य की खेती का नया रास्ता भी।

भविष्य की खेती का प्रतीक

आईआईवीआर के निदेशक डा.राजेश कुमार कहते हैं, इस साल ही पच्चीस हजार से ज्यादा पौधे नर्सरी से बेचे हैं और अब किसानों की मांग लगातार बढ़ रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि खेती की जमीन घटने के इस दौर में ऐसे पौधे भविष्य में और भी अहम भूमिका निभाएंगे। सीमित जगह में दोहरी पैदावार देना ही आने वाले समय की असली चुनौती है और ब्रिमैटो उस दिशा में एक ठोस कदम है।

ब्रिमैटो ने आधुनिक विज्ञान और परंपरागत खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और रोचक बना दिया है। यह शहरी और ग्रामीण किसानों दोनों के लिए भविष्य की खेती का प्रतीक है। इस पौधे के जरिए छोटे गार्डनर्स और किसान न सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त होंगे, बल्कि पर्यावरण अनुकूल और सीमित संसाधनों में खेती का अनुभव भी प्राप्त करेंगे। यही कारण है कि ब्रिमैटो को खेती की दुनिया में स्मार्ट और भविष्यवादी पौधा कहा जा रहा है।

खेल के माध्यम से विश्वास और विकास की नई गाथा - बस्तर ओलंपिक 2025

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में 'बस्तर ओलंपिक 2025' की तैयारियां जिले में युद्धस्तर पर की जा रही हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर यह आयोजन दिनांक 28 एवं 29 अक्टूबर 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पंचायतवार दायित्व सौंपे गए हैं, जिससे प्रत्येक ग्राम में खेल महोत्सव का उत्साहपूर्ण माहौल बने।

सुकमा जिले में अब तक 43,099 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है, जिसमें 19,414 पुरुष और 23,685 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। जिसमे कोंटा विकासखंड – 11,185 प्रतिभागी, सुकमा विकासखंड दृ 13,906 प्रतिभागी और छिंदगढ़ विकासखंडदृ सर्वाधिक 18,008 प्रतिभागी शामिल होंगे। बस्तर ओलंपिक में व्यापक भागीदारी दर्शाती है कि बस्तर के युवा अब खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि जनता और शासन के बीच विश्वास का सेतु है। इस आयोजन का उद्देश्य है ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचानना, युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना तथा 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' के माध्यम से शांति, विश्वास और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में उल्लेख किया था कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल नहीं, बल्कि विकास और विश्वास की यात्रा है, जहां नई पीढ़ी अपने भविष्य को आकार दे रही है। इस महोत्सव में पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों प्रकार के खेल शामिल किए गए हैं एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग, हॉकी आदि। साथ ही बस्तर की परंपरा से जुड़े स्थानीय खेलों को भी मंच दिया गया है, ताकि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत नई पीढ़ी तक पहुंचे।

जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अतिरिक्त, इस बार विशेष रूप से नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति तथा आत्मसमर्पित नक्सली युवाओं को भी प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। यह प्रशासन की समावेशी नीति और खेल के माध्यम से पुनर्वास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। प्रतियोगिताएं तीन स्तरों पर आयोजित होंगी विकासखंड स्तर, जिला स्तर और संभाग स्तर। विजेताओं को नकद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। सभी नगद पुरस्कार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खातों में जमा होंगे। संभागीय स्तर के विजेताओं को बस्तर यूथ आइकॉन के रूप में सम्मानित कर प्रचारित किया जाएगा। 'बस्तर ओलंपिक 2025' के शुभंकर वन भैंसा और पहाड़ी मैना हैं, जो बस्तर की जीवंतता, साहस और सामुदायिक एकता के प्रतीक हैं।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव का संदेश

बस्तर ओलंपिक बस्तर के हर गांव, हर युवा और हर परिवार का उत्सव है। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का माध्यम है, बल्कि बस्तर में शांति, सौहार्द और विकास की नई रोशनी लेकर आया है। 'बस्तर ओलंपिक 2025' सरकार की 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' नीति का सशक्त उदाहरण है। जहां खेल के मैदान पर जीत सिर्फ पदक की नहीं, बल्कि विश्वास, एकता और परिवर्तन की है। जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में यह आयोजन बस्तर को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने के लिए तैयार है।

संगठन को सशक्त बनाने महती भूमिका निभायें कार्यकर्ता - अशोक साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। प्रथम बस्तर प्रवास पर पहुँचे भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू का आज सोमवार को कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष साहू ने सर्वप्रथम दंतेश्वरी मंदिर में मांईजी के दर्शन पूजन किये और उसके बाद भाजपा जिला कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक ली और कार्यकर्ताओं को संगठन को सशक्त करने एकजुट होकर कार्य करने कहा।

भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू बस्तर अंचल के सभी सात जिलों का दौरा करेंगे और पिछड़ा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा फूकेंगे। भाजपा जिला कार्यालय में जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुये श्री साहू ने कहा कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं के साथ पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ता जनता के बीच जाये, उसका लाभ दिलायें। जनता की समस्याओं की निदान की सार्थक पहल करते हुये आमजन से जुड़ कर संगठन को सशक्त बनाये। संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम को कर्मठता से पूरा करने की ज़िम्मेदारी हम सभी कार्यकर्ताओं की है। स्वदेशी को अपनाने व आत्मनिर्भर भारत अभियान में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सभी कार्यकर्ता अपना महती योगदान दें।

बैठक का संचालन संजय चंद्राकर और आभार प्रदर्शन लच्छिन यादव ने किया। जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष खिलावन साहू, प्रदेश महामंत्री डा.खिलावन साहू, निर्देश दीवान, प्रदीप देवांगन, सुरेश गुप्ता, दिगम्बर राव, मनोज पटेल, राजा यादव, रघु सेठिया, पिंटू ठाकुर, रितेश सिन्हा, रामकुमारी यादव, गोदावरी साहू, किरण दीवान, श्वेता गुप्ता, मीना विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। चौथे दिन की सुबह छठ व्रतियों के उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था के छठ महापर्व का समापन हो गया। इसके बाद सभी छठ व्रतियों ने व्रत का पारण किया। मान्यता है कि सूर्योदय के समय अर्घ्य देने से सुख-समृद्धि, सौभाग्य, संतान प्राप्ति की मनोकामना और संतान की रक्षा का वरदान मिलता है।

छठ महापर्व के आखिरी दिन सूर्योदय के दौरान अर्घ्य देते समय मंत्र-ओम एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते, अनुकंपय माम् भक्तया गृहाणार्घ्यम् दिवाकर का जाप किया गया। महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान नहाय-खाय के साथ आरंभ हुआ था। पहले दिन व्रतियों ने यहां गंगा स्नान के साथ सूर्यदेव को जल से अर्घ्य दिया। इसके बाद पूरी पवित्रता के साथ अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी और आंवले की चटनी आदि का भोग लगाकर प्रसाद तैयार किया। खरना पूजन के दिन व्रतियों ने पूरे दिन उपवास कर शाम में भगवान का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हुआ। सोमवार को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया।

28 अक्टूबर की सुबह श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूजा का समापन किया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी समाप्त हो गया। इस अवसर पर व्रती महिलाओं ने जल में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु तथा जीवन में ऊर्जा की कामना की। श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण इस पर्व के अंतिम दिन कोरबा शहर और आसपास के सभी घाटों पर विशेष चहल-पहल रही। बालको डेंगू नाला, सर्वमंगला घाट, शिवघाट, सीएसईबी तालाब सहित ऊर्जाधानी के विभिन्न छठ घाटों पर व्रती और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजे थालों में प्रसाद लेकर घाटों तक पहुंचीं। व्रतियों ने जल में खड़े होकर पवित्रता के साथ फल, मिष्ठान, नारियल, पान-सुपारी, फूल, अर्कपात से भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना की।

नगरीय निकायों में स्थापित कांजी हाउस को क्रियाशील करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्य सचिव विकासशील ने आज राज्य के संभाग आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों तथा संबंधित विभागों की अधिकारियों की वर्चुअल बैठक लेकर सड़को में विचरण करने वाले घुमन्तु मवेशियों पर नियंत्रण हेतु किए जा रहे उपायों की विस्तृत समीक्षा की। इसके अलावा बैठक में उन्होंने वन एवं जलवायु परिवर्तन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग, खनिज संसाधन विभाग अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव विकासशील ने सड़कों में विचरण करने वाले घुमन्तु गौवंशीय पशुओं पर नियंत्रण हेतु किए जा रहे उपायों की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के नगरीय निकायों में स्थापित किए गए कांजी हाउस को तत्काल क्रियाशील करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने इन सभी कांजी हाउसों में सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिससे कि सड़कों में विचरण करने वाले घुमन्तु गौवंशीय पशुओं को सुरक्षित इन कांजी हाउसों में रखा जा सके। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में निर्मित गौठानों का भी उपयोग सड़कों में विचरण करने वाले घुमन्तु गौवंशीय पशुओं को रखने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने बालोद जिले में सड़कों में विचरण करने वाले घुमन्तु गौवंशीय पशुओं के नियंत्रण हेतु किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने जिले में गौधाम योजना अंतर्गत जिले के सभी विकासखण्डों में गौधाम निर्माण हेतु वर्तमान में 05 स्थानों का चयन करने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बालोद जिले में गौ सेवकों को प्रशिक्षित करने के अलावा जन हानि को रोकने की भी समुचित उपाय सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर ने कहा कि सभी गौधामों में रखे गए गौवंशीय पशुओं के लिए समुचित मात्रा में चारे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु चारा कटिंग मशीन की भी उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

बैठक में मुख्य सचिव विकासशील ने वन एवं जलवायु विभाग के अंतर्गत वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 अंतर्गत वन भूमि व्यवपवर्तन प्रकरणों के लिये क्षतिपूर्ति वनीकरण हेतु राजस्व भूमि/राजस्व वन भूमि लैण्ड बैंक के रूप में पहचान करने हेतु किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत आवास निर्माण के प्रगति एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आवास हेतु स्वीकृत विशेष परियोजना के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

इसके अलावा उन्होंने आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत विभिन्न जिलों में आदि कर्मयोगी अभियान, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन), छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण, प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के कार्यों के प्रगति के संबंध में भी जानकारी ली।

कोई भी पात्र परिवार उज्जवला योजना के लाभ से वंचित न हो : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में गैस एजेंसी संचालकों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छ ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने कहा। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को शीघ्रता से गैस कनेक्शन प्रदाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र परिवार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभ से वंचित न हो, इसके लिए गैस कनेक्शन वितरण की

जानकारी पंचायतों में सूचना पटल एवं स्थानीय माध्यमों से सार्वजनिक करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए पात्र हितग्रहियों को गैस कनेक्शन प्रदाय करने कहा। कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को फालोअप लेने के निर्देश दिए।

खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी ने बताया कि जिले में 1 लाख 73 हजार परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लाभान्वित किया गया है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 अंतर्गत राजनांदगांव जिले को 5618 नग गैस कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना के तहत पात्र महिला हितग्राही को निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन, गैस चूल्हा और पहली रिफिल प्रदाय की जाएगी। बैठक में खाद्य विभाग के अधिकारी एवं गैस एजेंसी संचालक उपस्थित थे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिला हितग्राही को आवेदन पत्र के साथ परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की छायाप्रति, महिला मुखिया के बैंक खाता की छायाप्रति एवं राशन कार्ड की छायाप्रति की आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत हितग्राहियों से ऑफलाईन आवेदन एवं घोषणा पत्र प्राप्त किया जाएगा। प्राप्त आवेदन को गैस एजेंसी को प्रदान किया जाएगा। गैस एजेंसी द्वारा आवेदन ऑनलाईन दर्ज किया जाएगा एवं आधार सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन उपरांत पात्र हितग्राहियों की सूची प्रदर्शित की जाएगी। पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी किया जाएगा।

हर गांव में दिखेगी विकास की नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम चांदामेटा, मुण्डागढ़ एवं कोलेंग में आयोजित कार्यक्रम में 02 करोड़ 36 लाख की लागत से कई विकास कार्यों की सौगात दी। आज सोमवार को आयोजित कार्यक्रम ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के चांदामेटा मुण्डागढ़ एवं कोलेंग पहुंचे विधायक का जगह जगह जोरदार क्षेत्र की जनता ने पारंपरिक रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया। वहीं धुरवा नाचा दल के द्वारा अपने विधायक का स्वागत करते कार्यक्रम स्थल पहुंचे। आज आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सीएम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली 'सुशासन की सरकार' में मातृशक्ति को विशेष सम्मान मिला है, और अब हर गाँव में विकास की नई पहचान बनेगी। ग्रामवासियों के मांग के अनुरूप चांदामेटा में 02 किलोमीटर सड़क निर्माण की घोषणा किया। जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों के तहत, ग्राम पंचायत ंदामेटा में सामुदायिक भवन का लोकार्पण लागत 10 लाख, प्राथमिक शाला भवन 20 लाख, आंगनबाड़ी भवन 11.69 लाख रुपए व अन्य कार्यो का लोकार्पण किया गया। वहीं मुण्डागढ़ पंचायत में प्राथमिक शाला भवन निर्माण का लागत 15 लाख का लोकार्पण किया गया। वहीं कोलेंग पंचायत में आडिटोरियम हाल लागत 19.65 लाख,पुलिया निर्माण, किचन शेड,बाऊण्डीवाल , एवं बोर खनन एवं अन्य मूलभूत विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने स्पष्ट किया कि, महतारी सदन केवल एक भवन नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और नेतृत्व सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा।

जिले में राज्योत्सव की तैयारियां तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली 25 वें स्थापना दिवस को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारियाँ मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में सभी अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी 02, 03 और 04 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित तीन दिवसीय राज्योत्सव के सफल आयोजन हेतु सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शासकीय विद्यालय के ग्राउंड में होगा, रजत जयंती थीम पर आधारित कार्यक्रम कलेक्टर ने बताया कि जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेंद्रगढ़ के ग्राउंड में किया जाएगा। इस वर्ष का राज्योत्सव रजत जयंती थीम पर आधारित होगा, जिसमें स्कूली बच्चों और स्थानीय कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्तुतियाँ गरिमामय हों तथा अश्लील एवं फिल्मों गीतों पर आधारित कोई कार्यक्रम को शामिल न किया जाए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संपूर्ण प्रबंधन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग के मार्गदर्शन में किया जाएगा। साथ ही आयोजन स्थल पर सरस मेला, रॉ पेंटिंग प्रदर्शनी और महिला स्व-सहायता समूहों के स्टॉल भी जनता के विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही रेस्ट हाउस नई लेदरी में तीन कमरे को आरक्षित करने के लिए निर्देश दिए गए है।

सभी विभाग अपने स्टॉल में प्रदर्शित करेंगे 25 वर्षों की उपलब्धियां: बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी विभाग अपने-अपने 25 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाले आकर्षक स्टॉल तैयार करें।

वहीं पुलिस विभाग के द्वारा पिछले वर्ष के भाती इस वर्ष शस्त्र प्रदर्शनी स्टॉल लगाएंगे या नहीं लगाएंगे उसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। वहीं जिन विभागों की योजनाओं में लाभान्वित होने वाले अधिक हितग्राही हैं, उन लाभार्थियों को मौके पर योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ भी प्रदान करने की व्यवस्था स्टॉल के बाहर करने के निर्देश दिए गए हैं।

जशपुर बना छत्तीसगढ़ का रॉक क्लाइम्बिंग हब, देशदेखा ने बढ़ाई रोमांच की ऊंचाइयां

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पर्यटन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में जशपुर अब सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति के लिए ही नहीं, बल्कि रोमांचक पर्यटन के लिए भी पहचाना जाने लगा है। जशपुर के देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर ने इस दिशा में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह स्थान अब उन साहसिक यात्रियों का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है जो रॉक क्लाइम्बिंग के साथ प्रकृति की शांति को भी महसूस करना चाहते हैं।

देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर को इस तरह विकसित किया गया है कि यह शुरुआती पर्वतारोहियों से लेकर अनुभवी क्लाइंबर्स तक, सभी के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक अनुभव प्रदान करे। यहाँ

प्राकृतिक चट्टानों पर विभिन्न प्रकार की क्लाइंबिंग रूट्स तैयार किए गए हैं, जिनमें क्रैक क्लाइम्ब, स्लैब, वर्टिकल फेस और ओवर हैंग जैसी विविध चुनौतियां शामिल हैं। हर चढ़ाई के साथ पर्यटकों को घने जंगलों और जशपुर की हरी-भरी पहाड़ियों का मनमोहक दृश्य देखने को मिलता है, जो अनुभव को और भी यादगार बना देता है।

इस क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रशिक्षित गाइड्स और प्रमाणित क्लाइम्बिंग इंस्ट्रक्टर्स की देखरेख में चढ़ाई करवाई जाती है। आधुनिक उपकरण, सेफ्टी रोप्स और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल यहां की प्रमुख विशेषताएँ हैं। पर्यटकों को एक ऐसा अनुभव देने की कोशिश की गई है जो रोमांचक होने के साथ-साथ सुरक्षित भी हो।

देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका विकास स्थानीय समुदायों की भागीदारी से किया गया है। यहाँ के ग्रामीण और जनजातीय लोग इस परियोजना का हिस्सा बने हैं, जिससे उन्हें रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर मिले हैं। यह पहल न केवल एडवेंचर पर्यटन को प्रोत्साहित करती है, बल्कि पर्यावरण और समुदाय-केंद्रित विकास का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

प्राकृतिक रूप से समृद्ध यह क्षेत्र वन्यजीवों, झरनों और पहाड़ी दृश्यों से घिरा हुआ है। सुबह की धूप में चमकती चट्टानें और शाम के समय सुनहरी घाटियाँ यहाँ आने वाले हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। अक्टूबर से मार्च तक का मौसम रॉक क्लाइम्बिंग के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। इस दौरान हवा ठंडी और साफहोती है, जिससे चढ़ाई का अनुभव और भी सुखद हो जाता है। जशपुर प्रशासन और स्थानीय पर्यटन संगठनों की यह संयुक्त पहल न केवल राज्य के एडवेंचर पर्यटन मानचित्र पर जशपुर को विशेष स्थान दिला रही है, बल्कि यह दर्शा रही है कि अगर स्थानीय संसाधनों को संवेदनशीलता और दूरदर्शिता से विकसित किया जाए, तो छोटे-छोटे पहाड़ी इलाकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है।

देशदेखा क्लाइम्बिंग सेक्टर सिर्फ एक एडवेंचर साइट नहीं, बल्कि यह जशपुर के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है जो अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान देते हुए आधुनिक पर्यटन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहाँ आकर पर्यटक न सिर्फ चढ़ाई का आनंद लेते हैं, बल्कि प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व के उस दर्शन को भी महसूस करते हैं, जो जशपुर की मिट्टी में गहराई से बसा है।

खास खबर

मालगाड़ी पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने किया पथराव, लोको पायलट घायल

कोरबा। जिले में रविवार देर रात बालको रेलवे लाइन पर चल रही एक मालगाड़ी पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया, जिससे लोको पायलट घायल हो गया। यह घटना डेंगूरनाला पुल से सीएसईबी चैक के बीच उस वक्त हुई, जब ट्रेन बालको पावर प्लांट से वापस स्टेशन लौट रही थी। पथराव के दौरान इंजन की खिड़की का शीशा टूट गया, जो लोको पायलट ओ.पी. आदिले के सिर पर लगा और वे घायल हो गए। उनके साथ असिस्टेंट लोको पायलट सुनील कुमार भी मौजूद थे। घटना की जानकारी स्टेशन पहुंचने पर स्टेशन मास्टर को दी गई, जिसके बाद रेलवे साइड इंचार्ज ने बालको थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस घटना के बाद लोको पायलटों में भय का माहौल है। बताया जा रहा है कि इस रूट पर पहले भी डेंगूरनाला क्षेत्र में कोयला चोरों द्वारा मालगाड़ियों को निशाना बनाया जाता रहा है। रविवार रात की घटना के बाद कई लोको पायलटों ने बालको रूट पर जाने से इंकार कर दिया, जिससे रेलवे प्रशासन के सामने परिचालन की नई चुनौती खड़ी हो गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और असामाजिक तत्वों की तलाश जारी है।

कीचड़ में सनी युवती लाश मिली

रायपुर। राजधानी रायपुर उरला थानाक्षेत्र में एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। युवक की लाश बंजारी नगर वार्ड नंबर 9 में मिट्टी से लथपथ मिली है। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस मृत युवक की शिनाख्त करने में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर के उरला के बंजारी नगर वार्ड नंबर 9 के पास अज्ञात युवक का शव मिला है। युवक का शव खाली प्लॉट पर कीचड़ और मिट्टी से लथपथ अवस्था में मिला है। युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं शव मिलने की जानकारी मिलते ही खमतराई थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उसकी शिनाख्त करने में जुट गई है। फिलहाल युवक की पहचान नही हो पाई है साथ ही यह भी पता नही चल पाया है कि युवक की मौत कैसे हुई है। पुलिस की टीम हत्या और आत्महत्या दोनों ही एंगल से जांच कर रही है।

राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाला गैंग पकड़ाया

गरियाबंद। जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के हथखोज गांव में राहगीरों से लूटपाट और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राहगीरों से लूटपाट करने के बाद अपनी दहशत फैलाने के लिए उन्हें जबरदस्ती पैर छूकर माफी मांगने पर मजबूर करते और गालियां देते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान कर धर-पकड़ की कार्रवाई की। मामले में पुलिस ने मोती राज साहू, थनेश साहू, बादशाह खान और असफाक कुरैशी को गिरफ्तार किया।

3 दोस्तों ने साथी को मारकर पुल के नीचे फेंका मां-बहन की गाली देने पर की हत्या, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मां-बहन की गालियां देने पर 3 दोस्तों ने मिलकर अपने एक साथी को मार डाला। पहले गला घोंटकर पुल के नीचे फेंक दिया, लेकिन जब देखा कि वह अभी ज़िंदा है तो सिर को पत्थर से कुचला। मामला मामला बिरेझर चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मनीष कुमार मिथलेश (26) है, जो करगा गांव का रहने वाला था। तीनों दोस्तों ने सिर को इतना कुचला था कि मृतक की पहचान कर पाना मुश्किल था। तीनों दोस्तों ने शराब के नशे में हत्या की थी। मुख्य आरोपी होमेश कुमार साहू ही अपने साथी के प्रति मनमुटाव रखा था, जिसके बाद उसने जान ली। 3 आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। मुख्य आरोपी होमेश कुमार साहू ही अपने साथी के प्रति मनमुटाव रखा था, जिसके बाद उसने जान ली। 3 आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, 21 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे मुख्य आरोपी होमेश कुमार साहू अपने दोस्त चाहत यादव के साथ मनीष को शराब पिलाने के लिए चटौद-करगा नाला पुल के पास ले गया था। शराब पीने के दौरान मनीष ने किसी बात को लेकर होमेश से गाली-गलौज की। इस दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। इसके बाद आरोपी होमेश साहू ने अपने गमछे से मनीष के गले को बांधकर दबाया। इसके बाद सिर पर कई बार वार किया, फिर मरा समझकर मनीष को गमछे से बांधकर पुल के नीचे फेंक दिया था, लेकिन मनीष जिंदा था। इसके कुछ देर बाद दोस्तों ने देखा कि वह जिंदा है तो फिर पत्थर से सिर पर इतना मारा की उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद मनीष का मोबाइल और बाइक वहीं फेंककर सभी आरोपी भाग गए थे, ताकि किसी को शक न हो। 22 अक्टूबर को करगा-चटौद पुल के नीचे मनीष की लाश मिली। इसके साथ ही बाइक भी लावारिश हालत में मिली थी। स्थानीय लोगों ने लाश मिलने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पुलिस ने प्रथम दृष्टया मर्डर केस फाइल कर जांच शुरू की। पूछताछ और मोबाइल के माध्यम से पता चला कि मृतक का नाम मनीष कुमार मिथलेश (26) है। इसके बाद पुलिस ने मनीष कुमार के परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ की। इस दौरान आखिरी बार होमेश साहू के साथ देखे जाने की सूचना मिली। पुलिस ने होमेश साहू को हिरासत में लिया। इस दौरान आरोपी से पूछताछ की गई। आरोपी ने पहले पुलिस को गुमराह किया, लेकिन बाद में कड़ाई से पूछताछ करने पर जुर्म कबूल कर लिया।

धमतरी एसपी सूरज सिंह परिहार ने बताया कि जांच में पता चला है कि मनीष कुमार मिथलेश और होमेश कुमार साहू का पहले झगड़ा हुआ था। मनीष ने रायपुर से गांव लौटने पर होमेश से गाली-गलौज की थी। इसी वजह से दोनों के बीच अनबन चल रही थी। इसी को लेकर होमेश ने मनीष को मारने की साजिश रची। होमेश कुमार साहू ने शराब पिलाने के बहाने ले जाकर मनीष की हत्या कर दी। इस दौरान होमेश (19) ने मनीष के सिर को पत्थर से कुचला। चाहत यादव (19) ने गमछे से गला दबाया और मनीष कुमार साहू (21) ने गला दबाने में साथ दिया।

धमतरी एसपी सूरज सिंह परिहार ने बताया कि वारदात के दूसरे दिन मनीष कुमार साहू को खून लगे गमछे और मोबाइल को जलाने के लिए कहा था। इसके बाद मनीष कुमार साहू ने खून लगे कपड़े और गमछे को छिपाया था। साथ ही मृतक के मोबाइल को झाड़ियों में फेंक दिया था। धमतरी एसपी ने बताया कि साइबर और एफएसएल टीम की संयुक्त जांच से हत्याकांड की गुत्थी सुलझी। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश की थी। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने सभी को जेल भेज दिया है।

पाटन के एल्युमिनियम फैक्ट्री में लगी आग फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ी ने पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के पाटन में एक एल्युमिनियम फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। घटना 28 अक्टूबर की सुबह 3 की है। आग फैक्ट्री के अंदर मौजूद मशीनरी और एल्युमिनियम पाउडर में तेजी से फैल रही थी, जिससे स्थिति गंभीर हो सकती थी। फायर ब्रिगेड 2 गाड़ी ने 1 घंटे में आग पर काबू पाया।

मशीनरी-सामानों को पहुंचा नुकसान

घटना पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम पुनेइडीह स्थित अनुभव एल्युमिनियम वर्क प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री की है। हादसे में मशीनरी और सामग्री को नुकसान हुआ है। किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। आग किन कारणों से लगी पुलिस इसकी जांच कर रही है। बता दें कि दिवाली के बाद जिले में आग लगने की यह तीसरी घटना है।

अग्निशमन दल ने मौके की गंभीरता को देखते हुए दो दमकल वाहनों से लगातार पानी डालकर आग को फैलने से रोका। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया।

फायर कर्मियों की सूझबूझ और तेज़ कार्रवाई के चलते आग फैक्ट्री के अन्य हिस्सों और आसपास की बस्तियों तक नहीं पहुंच पाई, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में लगी आग से मशीनरी और सामग्री को नुकसान हुआ है, हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक रूप से इसे अज्ञात कारणों से लगी आग माना जा रहा है। घटना की जांच पाटन थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह कहा कि सूचना मिलते ही दुर्ग अग्निशमन की दो दमकल गाड़ियां तत्काल मौके के लिए रवाना की गईं। फायर ब्रिगेड की टीम ने कुछ ही समय में पुनेइडीह पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

दलप्रभारी भगवती बंजारे एवं प्रवीण बार के नेतृत्व में फायर कर्मी कुलेश्वर सिंह, नितिन रामटेक, प्रवीण सिंह और पराग भोसले ने मौके पर पहुंचते ही बिना समय गंवाए बहादुरी से आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की।

हाल ही में आगजनी की घटना सामने आ रही है। दिवाली के बाद से लेकर अब तक यह आगजनी की तीसरी घटना है। पहली घटना दुर्ग के इंदिरा मार्केट में ड्रॉयफ्रूट के दुकान में आग लग गई थी। इसके बाद सेक्टर-6 ए मार्केट के गद्दा-पर्दा के दुकान में आग लगी थी।

अब पाटन के फैक्ट्री में आग लगी है। हालांकि फायर ब्रिगेड की टीम ने इन तीनों ही घटनाओं पर समय पर पहुंच कर आग पर काबू पाया है।

गर्लफ्रेंड को चाकू गोदकर मार-डाला, आरोपी हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड को जलाकर मार डाला। दोनों के बीच 5 महीने से अफेयर था। जब लड़की को पता चला कि उसका बॉयफ्रेंड साइको किस्म का है तो उससे दूरी बनाने लगी। इसी बात से नाराज युवक ने लड़की को जला दिया। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी मानसिक रोगी है। उसने इंस्टाग्राम पर 19 फर्जी अकाउंट बना रखे थे, जिन पर महिलाओं के कपड़े पहनकर तस्वीरें पोस्ट करता था। वह इंटरनेट पर अक्सर मर्डर-2 मूवी भी देखा करता था। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है।

जानिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, ग्राम चरोटी की रहने वाली तेजस्विनी पटेल (26 साल) और इसी गांव का सालिक राम पैकरा (25) बलौदाबाजार में साथ में रेजा-कुली का काम करते थे। दोनों के बीच 5 महीने से अफेयर चल रहा था। सालिक को लड़कियों के कपड़े पहनने का शौक ?था। वो लड़कियों के कपड़े पहनकर इंस्टाग्राम में अलग-अलग प्रोफाइल से आईडी बनाकर अपनी फोटो उसमें अपलोड करता था। वह अक्सर मोबाइल पर मर्डर 2 मूवी देखा करता था।

जब ये बात तेजस्विनी को पता चली तो उसने सालिक से दूरी बना ली। उससे मिलना-जुलना और बातचीत करना कम कर दिया। सालिक राम को यह बात अच्छी नहीं लगी।

24 अक्टूबर की रात करीब डेढ़ बजे तेजस्विनी को गुड़ी चौक पर बुलाया और उस पर रिश्ता फिर से शुरू करने का दबाव बनाया। जब युवती ने इनकार किया, तो आरोपी ने गुस्से में आकर पहले तो चाकू और लकड़ी से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद, उसने शव को पास के पैरावट में ले जाकर जला दिया। अगले दिन सुबह लगभग 7:30 बजे, ग्रामीणों को ब्यारा में रखे पैरावट में जला हुआ शव दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

घर घुसकर सो रहे युवक का काटा गला: पत्नी उठी तो देखी खून से सनी पति की लाश; आपसी विवाद में परिचित ने किया मर्डर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में घर घुसकर सो रहे युवक का किसी ने गला काट दिया। घटना 14 अक्टूबर की है। अगले दिन सुबह जब पत्नी उठी तो पति की खून से सनी लाश देखकर रोने लगी जिसके बाद आसपास के सभी लोग देखने पहुंचे। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है।

हत्या की वारदात के 13 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को ढूंढ निकाला है। हत्यारा मृतक का करीबी था। उसी गांव का रहने वाला है। आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद था, जिसके बाद आरोपी ने घर घुसकर धारदार हथियार से युवक का गला काट दिया था।

दरअसल, 15 अक्टूबर को मंझारपारा में नवाखाई का त्योहार था। इससे एक दिन पहले 14 अक्टूबर को गांव में खाने-पीने का आयोजन किया गया था। वहीं राजू कर्मा रात में अपने घर के आंगन में सो रहा था।

इसी बीच तड़के सुबह करीब 4 बजे उसकी पत्नी उठी, उसने पति का गला कटा और खून जमीन पर फैला हुआ देखा। इसके बाद उसने इसकी जानकारी आस-पास के लोगों को दी।

रोने की आवाज सुनकर भी लोग इकट्ठा हुए। वहीं पुलिस को भी खबर की गई। जिसके बाद पुलिस इस मामले की जांच में जुटी। पुलिस को पता चला कि गांव के ही पोदिया कर्मा का राजू के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर पोदिया कर्मा को पकड़ा। उससे पूछताछ की। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल ली।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि 14 अक्टूबर की रात में उसके घर में घुसा था और लोहे के किसी धारदार हथियार से उसका गला काट दिया था। वहीं पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। और उसे जेल भेज दिया है।

3 नाबालिग लड़कों ने घर घुसकर चोरी की: 5 तोला सोना, पीतल-कांसे का बर्तन चुराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में 3 नाबालिग लड़कों ने घर घुसकर 6 लाख की चोरी की है। शिक्षक नगर में रहने वाला पटैरिया परिवार 1 हफ्ते के लिए बाहर गया था। तभी सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोर खिड़की की जाली तोड़कर घुसे और 50 ग्राम का सोने का बिस्किट, पीतल-कांसे के बर्तन चुराकर ले गए।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। चोरी का सामान आरोपियों ने एक महिला को बेचा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है वहीं नाबालिग आरोपियों को भी पुलिस ने पकड़ा है। उनके कब्जे से सारा सामान जब्त किया गया।

मामला शिक्षक नगर दुर्ग का है, जहां के रहने वाले उमा शंकर पटैरिया (89 साल) ने 22 अक्टूबर को थाना दुर्ग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके सुने मकान (मकान नंबर 385, गली नंबर 2, शिक्षक नगर) में 11 से 17 अक्टूबर 2025 के बीच अज्ञात चोरों ने खिड़की की जाली तोड़कर घुसपैठ की और 50 ग्राम का सोने का बिस्किट, पीतल व कांसे के बर्तन तथा टंकी समेत करीब छह लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया।

पीड़ित परिवार की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान दुर्ग पुलिस ने त्रिनयन एप के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण किया, जिसमें तीन विधि से संघर्षरत बालक संदिग्ध पाए गए। तीनों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। चोरी करने वाले नाबालिगों ने बताया कि चोरी किया गया सामान उन्होंने एक महिला राखी कसेर, (50 वर्ष) को बेच दिया है। पुलिस ने महिला आरोपी से पूछताछ की तो उसने चोरी का माल खरीदने की बात स्वीकार कर ली।

उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 50 ग्राम सोने का बिस्किट, एक पीतल का कोपर, एक पीतल का कलश, एक कांसे का कलश और एक पीतल की टंकी कुल मूल्य 6,58,800 रुपए बरामद किया। महिला आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, जबकि तीनों बाल आरोपियों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर बाल सुधार गृह भेजा गया।

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर में दुलदुला छठ घाट में सूर्य को दिया अर्घ्यः प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने आज छठ महापर्व के अवसर पर दुलदुला छठ घाट में पहुँचकर सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत सौभाग्य का अवसर है कि मुझे छठ पर्व में सम्मिलित होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनता के विश्वास और स्नेह से ही उन्हें जनसेवा का अवसर मिला है, और वे क्षेत्र के विकास एवं जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री साय ने दुलदुला क्षेत्रवासियों की माँग पर छठ घाट के सौन्दर्यीकरण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी छठ पर्व तक दुलदुला छठ घाट का सौन्दर्यीकरण कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुनकुरी छठ घाट का सौन्दर्यीकरण लगभग ?5 करोड़ 17 लाख की लागत से किया गया है, जहाँ इस वर्ष व्रती महिलाएँ पूर्ण श्रद्धा-भाव से पूजा-अर्चना कर रही हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत दुलदुला अध्यक्ष रामकुमार सिंह, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह सहित छठ व्रत करने वाली महिलाएँ, जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विधानसभा भवन के लोकार्पण की तैयारियों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण की तैयारियों का निरीक्षण किया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप भी इस दौरान उनके साथ थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 नवम्बर को राज्योत्सव के मौके पर विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण करेंगे। वे विधायकों और आमंत्रित अतिथियों को संबोधित भी करेंगे।

उप मुख्यमंत्री साव ने नवीन विधानसभा परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की मूर्ति के अनावरण स्थल, विधानसभा के सदन और मंचीय कार्यक्रम के स्थल का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। नवा रायपुर के सेक्टर-19 में मंत्रालय (महानदी भवन) और विभागाध्यक्ष कार्यालय (इंद्रावती भवन) के पीछे 51 एकड़ परिसर में विधानसभा का नया भवन बनाया गया है। श्री साव ने लोकार्पण की तैयारियों का निरीक्षण करते हुए कहा कि 1 नवम्बर का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विधानसभा के नए भवन को छत्तीसगढ़ की जनता को समर्पित करेंगे।

नया राज्य बनने के बाद वर्ष 2000 में रायपुर के राजकुमार कॉलेज से शुरू हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा को 25 वर्षों के बाद रजत जयंती वर्ष में खुद का भव्य और आधुनिक भवन मिलने जा रहा है। हमारा यह नया विधानसभा भवन केवल एक खूबसूरत इमारत ही नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा का वाहक भी है।

उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि नए विधानसभा भवन को वर्तमान और भविष्य की जरूरत के हिसाब से बनाया गया है। आधुनिक, सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित इसके सदन को 200 सदस्यों के बैठने के लिए विस्तारित किया जा सकता है। भविष्य में पेपरलेस विधानसभा संचालित हो सके, इसके लिए जरुरी व्यवस्थाओं और तकनीकों का समावेश किया गया है।

राज्यपाल रमेन डेका ने भव्य जनजातीय संग्रहालय का लिया जायजा

राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे संग्रहालय का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने अटल नगर नवा रायपुर में आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी स्मारक सह-संग्रहालय का जायजा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर देश के इस पहले डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। राज्यपाल डेका ने लोकार्पण के तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन दिया।

राज्यपाल श्री डेका ने परिसर में स्थापित आदिवासी संग्रहालय का भी अवलोकन किया जहां प्रदेश के विभिन्न जनजातियों की संस्कृति, परंपराओं, रहन-सहन, आभूषण, उनकी आजीविका के साधन सहित उनके जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया गया है। राज्यपाल ने संग्रहालय की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातियों की परंपरा, संस्कृति, असम राज्य के जनजातियों से मिलती जुलती है। राज्यपाल ने डिजिटल संग्रहालय के अवलोकन के दौरान एआई तकनीक से कियोस्क पर क्लिक कर अपनी जनजातीय फोटो भी निकलवाई साथ ही एआई तकनीक से प्रधानमंत्री के साथ फोटो भी खिंचवाए।

अवलोकन के दौरान के अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने दोनों संग्रहालयों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्मारक सह-संग्रहालय छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर गहराई से अध्ययन व रिसर्च के बाद वीएफएक्स तकनीक और प्रोजेक्शन वर्क के साथ तैयार किया जा रहा है। दर्शक संग्रहालय में आकर जनजातीय विद्रोह को जीवंत महसूस कर सकेंगे।

राज्यपाल श्री डेका ने परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर महुवा के पौधे लगाए। राज्यपाल को छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी जननायकों पर आधारित आदि विद्रोह पुस्तक की प्रति एवं जनजातीय संस्कृति पर आधारित पेंटिंग भेंट की गई।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर.प्रसन्ना, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूर्यदेव को अर्पित किया संध्या अर्घ्य

प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की छठी मईया से कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने छठ पर्व के अवसर पर सूरजपुर जिले के भटगांव स्थित शिव मंदिर और हनुमान मंदिर के पास बने छठ घाट पर पहुँचकर श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्य देव को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।

मंत्री राजवाड़े ने घाट पर उपस्थित व्रतियों से आत्मीय भेंट की और उन्हें नारियल एवं फल भेंट कर छठी मईया से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने छठ पूजा को भारतीय संस्कृति का अद्भुत पर्व बताते हुए कहा कि यह पर्व आस्था, पर्यावरण और परिवार के सामूहिक बंधन का प्रतीक है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती विविधता में एकता और लोक परंपराओं की समृद्धि के लिए जानी जाती है। यहाँ हर पर्व सामाजिक एकता और महिला शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। छठ पूजा में महिलाओं की आस्था और तप का जो स्वरूप देखने को मिलता है, वह समाज को अनुशासन, निष्ठा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, महिला समूहों की सदस्याएँ तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वातावरण 'छठी मईया के जयकारों' से गूंज उठा।

मुख्यमंत्री साय ने पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय बनवारी लाल अग्रवाल को दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा के अग्रसेन भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल की पगड़ी रस्म कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय अग्रवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल की धर्मपत्नी पुष्पा अग्रवाल एवं उनके परिवार के लोगों से भेंट कर उन्हें ढाढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल का जीवन जनसेवा और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने सदैव कोरबा जिले के विकास और जनता की भलाई के लिए कार्य किया। उनकी सादगी, विनम्रता और सामाजिक संवेदनशीलता हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। सभी ने स्वर्गीय अग्रवाल के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, बिहारी लाल अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

शिविर लगाकर एग्रीस्टैक पोर्टल में शेष किसानों का किया जा रहा है पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराने एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए किसानों का पंजीयन का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी सहकारी समितियों में शिविर का आयोजन कर शेष सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन सुनिश्चित कराया जा रहा है। शिविर में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के ऐसे किसान जो एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत है किंतु एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु शेष रह गए है, समिति स्तरीय शिविरो में ऐसे सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन किया जा रहा है।

इसके साथ ही ऐसे कृषक जो एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत है किंतु उनका व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है शिविरों में ऐसे सभी कृषकों की जानकारी एग्रीस्टेक पोर्टल में अद्यतन भी किया जा रहा है। कलेक्टर मिश्रा के निर्देशानुसार बालोद जिले में राजस्व, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए शत प्रतिशत कृषकों का पंजीयन सुनिश्चित कराने हेतु मुस्तैदी से कार्य किया जा रहा है। जिससे कि जिले के सभी कृषकों को वास्तविक रकबे के आधार पर वास्तविक धान की खरीदी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही जिले का कोई भी पात्र कृषक धान खरीदी योजना का समुचित लाभ लेने से वंचित न रहे। इसके अंतर्गत आज 27 अक्टूबर को जिले के सहकारी समिति पाररास, तरौद और मालीघोरी सहित अन्य सहकारी समितियों में राजस्व एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए कृषकों का कराए जा रहे पंजीयन के कार्य का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी भी दी गई।

एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु किसान संबंधित सहकारी समितियों के अलावा ग्राहक सेवा केन्द्रों में पहुँचकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसके साथ ही एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत ऐसे किसान जिनका व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है वे सहकारी समितियों में आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर अपना व्यक्तिगत जानकारी अद्यतन करा सकते हैं।

धान उपार्जन केन्द्र पर अवैध धान खपाने पर होगी कड़ी कार्यवाही, निगरानी दल सतर्कता रखेंः कलेक्टर

संवेदनशील तथा बार्डर के धान उपार्जन केन्द्रों का जिले के 21 विशेष चेकपोस्ट करेंगे निगरानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आगामी 15 नवंबर में धान खरीदी की तैयारी हेतु कृषि, खाद्य, सहकारिता, विपणन, अपेक्स बैंक आदि के जिला स्तरीय अधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार, मंडी सचिव, धान उपार्जन केन्द्रों के नोडल अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, सहकारी समितियों के प्रबंधक, ऑपरेटर आदि का सारंगढ़, बरमकेला और बिलाईगढ़ का अलग-अलग ब्लॉकवार 3 पालियों में बैठक लेकर धान खरीदी केन्द्रों के भौतिक सत्यापन, उड़नदस्ता दल के गठन एवं उनके दायित्व, चेक पोस्ट, धान उपार्जन केन्द्रों में बारदाने की व्यवस्था, वहां स्टेकिंग के तरीकों आदि बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए धान खरीदी के संबंध में शासन के दिशा निर्देशों एवं प्रक्रिया का पालन करते हुए धान खरीदी करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश सर्वे, श्रवण कुमार टंडन, सीईओ जिला पंचायत इन्द्रजीत बर्मन, एसडीएम वर्षा बंसल, प्रफुल्ल रजक, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने जिले के 86 उपार्जन केन्द्रों में सुचारू रूप से 15 नवंबर 2025 में धान खरीदी हो, धान उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं पूर्ण कर लिया जावे। उपार्जन केन्द्रों में खरीदी व्यवस्था सुव्यवस्थित तरीके से हो। किसानों को किसी भी प्रकार में असुविधा ना हो। सब बातों को ध्यान में रखते हुए जिले में सुचारू रूप से धान खरीदी हो निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के 86 उपार्जन केन्द्र के 33 संवेदनशील उपार्जन केन्द्र एवं ओडिशा राज्य के बार्डर तथा अन्य संवेदनशील एवं अन्तर जिला हेतु 21 चेक पोस्ट गठित उड़नदस्ता टीम को नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं निगरानी केन्द्रों में व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए। धान उपार्जन केन्द्रों में अवैध धान खपाने की शिकायत मिलने पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सभी संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्रों में सीसीटीवी से भी निगरानी की जाएगी। इसके भी निर्देश कलेक्टर ने दिए।

धान उपार्जन केन्द्रों में पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन करने हेतु गांव एवं शहरी इलाकों के चिल्हर कोचियों एवं बिचौलियों की जानकारी, उनकी सूची मंडी अधिकारी बनाये। कलेक्टर ने इस सूची को खाद्य अधिकारी और एसडीएम को देने के निर्देश दिए।

कोई भी कोचिया या बिचौलिया के द्वारा पंजीकृत किसानों के नाम पर धान खपाने की शिकायत प्राप्त हुआ तो उसके वाहन एवं धान की जप्ती कर नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए तथा जब्ती संबंधी समस्त कार्यवाही तत्काल विभागीय पोर्टल में इन्द्राज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सभी सहकारी समिति प्रबंधक एवं उपार्जन केन्द्र के नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने पर किसानों को शासन के दिशा निर्देश अनुसार टोकन जारी कर सुव्यस्थित तरीके से धान खरीदी करें। उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए पर्याप्त छाया, पानी, शौचालय की व्यवस्था रखें। जिस दिन खरीदी हो उसी दिन बारदान की सिलाई और शाम तक धान की किस्म अनुसार स्टेकिंग किया जाए। किसानों का भुगतान समय पर हो जाए यह सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देश दिए।

जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन को रोकने एवं चुस्त निगरानी हेतु कलेक्टर ने राजस्व, मंडी, खाद्य, वन, पुलिस की टीम गठित बनाने और जिले के 33 संवेदनशील एवं अन्तर्राज्यीय बॉर्डर में विशेष निगरानी के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उड़नदस्ता टीम के अधिकारियों को अवैध धान के खिलाफ शासन के नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950